रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)-128/91 REGISTERED No. D. (D.N.)-128/91

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 2, 1991/फाल्गुन 11, 1912
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 2, 1991/PHALGUNA 11, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली 12 फरवरी, 1991

का. आ. 596.—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महाराष्ट्र राज्य में बम्बई के पुलिस थाना यैलो गेट में दर्ज सी आर सं. 147/90 दिनांक 7-11-90 के अनुसरण में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (अधिनियम सं. 45 वां/1860) के अधीन दंडनीय अपराधों और उक्त अपराधों तथा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराधों या उनसे संसक्त दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के संबंध में जयमाह (सऊदी अरेबिया) से चीसनाम (दक्षिण कोरिया) के मार्ग में अडमान और निकोबार द्वीप समूह के निकट पारगमन कर रहे समुद्री जहाज के तेल टैंकर टी टी "इनगेरिड हैलेन" (लिबेरियन) पर दिनांक 5-9-90 को श्री विपिन देशमुख की हत्या के संबंध में अन्वेषण के लिए महाराष्ट्र सरकार गृह विभाग ज्ञापन सं. एम यू आर/1290/101/पी ओ एल-II दिनांक 7-1-91 के आदेश द्वारा प्राप्त महाराष्ट्र सरकार की सहमति से दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य पर करता है।

[संख्या 228/8/91-एवीडी-II]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

ORDER

New Delhi, the 12th February, 1991

S.O. 596.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), the Central Government, with the consent of the Government of Maharashtra vide order of Government of Maharashtra, Home Department, Memo No. MUR/1290/101/POL.-II dated 7th January, 1991, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Maharashtra for the investigation of the offence punishable under section 302 of Indian Penal Code (Act No XIV/1860) and abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said

414 GI/91—1

offence or any other offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to CR No 147/90, dated 7-11-1990 registered with Police Station Yellow Gate, Bombay, in Maharashtra State about the murder of Vipin Desmukh on the oil tanker TT 'INGERID HELENE' (LIBERIAN) on 5-9-1990 when the ship was traversing Indian Ocian near Andaman and Nicobar Islands while enroute from Jaymah (Soudi Arbia) to Osnan (South Korea).

[No. 228/8/91 AVD II]

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1991

का आ 597 —केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुजफ्फर नगर (यू पी) स्थित सी जे. एम /सेशन न्यायालय/अतिरिक्त सेशन न्यायालय में अनिल कुमार और अन्य के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला आर सी 5/87–एस आई. यू .–III/एस आई सी -I के अभियोजन का तथा साथ ही अपील और पुनरीक्षण न्यायालयों में उक्त मामले में उद्भूत अन्य कार्यवाहियों का संचालन करने के प्रयोजन के लिए श्री मदनमोहन अहलवालिया अधिवक्ता को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है ।

[संख्या 225/30/89–ए वी डी II (i)]

New Delhi, the 15th February, 1991

S.O. 597—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri Madan Mohan Ahluwalia, Advocate as Special Public Prosecutor, for conducting the prosecution of the Delhi Special Police Establishment, Regular case RC5/87 SIU-III/SIC-I against Anil Kumar and others in the Court of CJM/Sessions Addl. Session Court at Muzaffar Nagar (UP) and also other proceedings arising out of the said case in the appellate and revision courts.

[No 225/30/89-AVD II (i)]

का आ 598 —केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 की 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जयपुर (राजस्थान) में ए सी जे एम /सेशन/अतिरिक्त सेशन न्यायालय में रामेश्वर लाल और अन्यों के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन. नियमित मामला आर सी 9/87–एस आई. यू.–III एस आई सी –I के अभियोजन का तथा साथ ही अपील और पुनरीक्षण न्यायालयों में उक्त मामले से उद्भूत अन्य कार्यवाहियों का संचालन करने के प्रयोजन के लिए श्री मदन मोहन अहलवालिया, अधिवक्ता को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है ।

[संख्या 228/30/89–ए वी डी II (ii)]

S.O. 598—In exercise of the powers conferred by sub-Section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints Sari Madan Mohan Ahluwalia, Advocate as Special Public Prosecutor for conducting the Prosecution of the Delhi Special Police Establishment Regular case RC No 9/87-SIU-III/SIC-I, against Rameshwar Lal & others in the court of ACJM/Sessions/Addl. Sessions Courts at Jaipur (Rajasthan) and also other proceedings arising out of the said case in the Appellate and revision courts.

[No 228/30/89-AVD II (ii)]

आदेश

का आ 599 —केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम 1946 (1946 का अधिनियम संख्या 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केरल राज्य सरकार की सहमति से जो केरल सरकार के गृह (न्या) विभाग की अधिसूचना सं 87580/न्या 2/90/गृह, तारीख 26-11-90 के द्वारा सूचित की गई थी, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार निम्नलिखित अपराधों के अन्वेषण के लिए संपूर्ण केरल राज्य पर करती है अर्थात् —

(क) प्रो वी जे चावे की कोचीन शहर, केरल के मध्य उसके पोलैरिवैटम निवास स्थान पर संदहजनक मृत्यु से संबंधी अपराध सं 255/8907 कलमासेरी पुलिस थाना में अपराधों का अन्वेषण ।

(ख) ऊपर वर्णित एक या अधिक अपराधों के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्न, दुष्प्रेरण और षड्यंत्र तथा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किया गया या किए गए कोई अन्य अपराध ।

[संख्या 228/40/90–ए वी डी -II]

ORDER

S.O. 599.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Kerala conveyed vide Government of Kerala, Home (J), Deptt. Notification No. 87580/J2/90/Home dated 26-11-1990, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Kerala for investigation of the following offences, namely :—

(a) Investigation of offences in Crime No. 255/8907 Kalamassery Police Station relating to the suspicious death of Prof. V. J. Chacke at his residence at Palarivattam in the heart of Cochin City, Kerala.

(b) Attempts, abetments and conspiracies in relating to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts

[No 228/40/90-AVD II]

आदेश

नई दिल्ली, 18 फरवरी 1991

का. आ 601 —केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केरल सरकार की सहमति से (देखिए गृह विभाग (जे) की अधिसूचना सं 55296/जे–2/90–गृह, तारीख अगस्त, 1990) निम्नलिखित के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण केरल राज्य पर करती है —

(1) भारतीय दण्ड संहिता 1860 (1860 का 45) की धारा 302 के अधीन दंडनीय अपराधों —

(क) श्रीमती डेसी, उसके पति सकारिया और दो बच्चों की अप्राकृतिक मृत्यु से संबंधित केलियार पुलिस थाना (अपराध सं 53/सी आर /88) का अपराध सं 91/87

(ख) केरल राज्य के इडुक्की जिले के करण की अप्राकृतिक मृत्यु से संबंधित करिमनूर पुलिस थाना (अपराध 165/सी आर 88) की अपराध सं 103/87 ।

2. ऊपर वर्णित मामलों के संबंध में या उनसे संसक्त प्रयत्न दुष्प्रेरण और षड्यंत्र तथा तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही सव्यवहार के अनुक्रम में किया गया कोई अन्य अपराध ।

[संख्या 228/20/90-ए. वी. डी. (II)]
ए. सी. शर्मा, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 13th February, 1991

S.O. 600.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government, with the consent of the State Government of Kerala (vide. Home (J) Deptt Notification No. 55296/J. 2/90-Home, dated August, 90) hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Kerala for investigation of :—

1. Offences punishable under section 302 of Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860) :

(a) in Crime No. 91/87 of Kaliyar Police Station (Cr. No. 53/CR/88) relating to unnatural deaths of Smt. Daisy, her husband Scaria and two children

(b) in Crime No. 103/87 of Karimennoor Police Station (Crime 165/CR/88) relation to unnatural death of Karunakaran of Iddukki District in the State of Kerala.

2. Attempts, abetments and conspiracies in relating to or in connection with the cases mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/20/90-AVD. II]
A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1987

का. आ. 601—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 34 के साथ पठित, नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ख) और नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्यांक का. नि.आ. 612 तारीख 28 फरवरी, 1957 का निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,

भाग II—साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 में "केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग" शीर्ष के अधीन, शीर्ष "निवारक प्रचालन निदेशालय (सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)" के अधीन प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

क्रम सं.	सेवा वर्णन	नियुक्ति प्राधिकारी	प्राधिकारी	शास्ति	अपील प्राधिकारी
1	2	3	4	5	6
1	"केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टरी या सीमाशुल्क सदनों के प्राधिकृत पद संख्या पर धृत सभी दूर संचार समूह 'ग' पद ।	उपकलक्टर (कार्मिक और स्थापन का भार साधक)	(क) उप कलक्टर (कार्मिक और स्थापन का भार साधक) (ख) सहायक निदेशक (संचार) उन व्यक्तियों की बाबत जो उसके अधीन सेवा कर रहे है।	सभी	कलक्टर (i) से कलक्टर (iv) तक
2	निवारक प्रचालन निदेशालय के प्राधिकृत पद संख्या पर धृत सभी अनुसचिवीय और अननुसचिवीय पद (जिन के अन्तर्गत दूर संचार पद भी है)	उपनिदेशक (निवारक प्रचालन निदेशालय में प्रशासन का भारसाधक)	उपनिदेशक (प्रशासन का भारसाधक)		निदेशक (निवारक प्रचालन)"

[फा. स. सी-11016/47/90-एड-V]
विजय सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 14th July, 1987

S.O. 601.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24, read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. S.R.O. 612 dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification,

in part-II General Central Service, Class III, under the heading "Central Excise Department", for the entries under th heading "Directora.e of Preventive Operations (Customs and Central Excise)", the following shall be substituted, namely :-

Sl. No.	Description of service	Appointing Authority	Authority	Penalty	Appellate Authority
1	2	3	4	5	6
1.	"All telecommunication Group 'C' posts borne on the strength of the Collectorate of Central Excise or Customs Houses.	Deputy Collector (incharge of Personnel and establishment)	(a) Deputy Collector (in-charge of Personnel and Establishment)	All	Collector
			(b) Assistant Director (Communication) in respect of persons serving under him.	(i) to (iv)	Collector
2.	All ministerial and non-ministerial (including telecommunication) posts borne on strength of Directorate of Preventive Operations.	Deputy Director (incharge of Administration in the Directorate of Preventive operations.)	Deputy Director (incharge of Administration)		Director (Preventive Operations)"

[F. No. C.11016/47/90-Ad.V]
VIJAY SINGH, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1991

स्टाम्प

का. आ. 602—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो मै. हिन्दुस्तान केबल्स लि०, कलकत्ता द्वारा जारी केवल पचास करोड़ रु. के मूल्य के 13% (कराधेय) सुरक्षित विमोच्य सार्वजनिक सैक्टर उपक्रम बंधबत्र 1000 रु. प्रत्येक (निजी नियोजन) के रूप में वर्णित ऋण पत्रों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभार्य है।

[सं. 7/91—स्टा. फा. सं. 33/65/90 वि.क]
आत्माराम, अवर सचिव

(आर्थिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1991

का. आ. 603.—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार श्री एस. वी. मोनी को उनके भारतीय साधारण बीमा निगम के पदेन अध्यक्ष होने की हैसियत से 7 फरवरी, 1994 तक या जब तक वे उक्त पद का कार्यभार सम्भालें जो भी पहले हो, जीवन बीमा निगम के बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. 110(2)/बीमा-भार/91]
एस. कन्नन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi,, the 18th February, 1991

STAMP

S.O. 602.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of debentures described as 13% (Texable) Secured Redeemable Public Sector Undertaking Bonds of Rs. 1000/- each (Private placement) of the value of rupees fifty crores only to be issued by M/s. Hindustan Cables Limited, Calcutta are chargeable under the said Act.

[No. 7/91-Stamps-F. No. 33/65/90-ST]
ATMA RAM, Under Secy.

(Department of Economic Affairs)

INSURANCE DIVISION

New Delhi, the 15th February, 1991

S.O. 603.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri S. V. Mony, as member of the Board of the Life Insurance Corporation of India in his ex-officio capacity as the Chairman of the General Insurance Corporation of India, for the period up to 7th February, 1994, or as long as he holds charge of the said post, whichever is earlier.

[F. No. 110(2)/Ins. IV/91]
S. KANNAN, Jt. Secy.

(आयकर विभाग)

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त

कानपुर, 26 सितम्बर, 1990

का. आ. 604.—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) तथा केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली द्वारा उक्त धारा के अधीन इस संबंध में जारी की गई अधिसूचित सं. 8479, एफ सं. 279/121/89 आई टी. जे. दिनांक 27-10-1989 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं मुख्य आय कर आयुक्त, कानपुर इस कार्यालय के दिनांक 7-12-1989 के आदेश संख्या जी. 6 एफ सं. सी सी आई टी /के एन पी / ज्यूरिस /सी आई टी (ए)/ 89/194 में आंशिक संशोधन करते हुए एतद्द्वारा यह निदेश देता हूं कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ–1 विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त (अपील) ऐसे व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के वर्गों के सम्बन्ध में अथवा ऐसी आय के संबंध में अथवा आय के वर्गों के सम्बन्ध में अथवा ऐसे मामले के सम्बन्ध में अथवा ऐसे मामलों के वर्गों के सम्बन्ध में, जो निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ-II में विनिर्दिष्ट वार्डों / सर्किलों / जिलों में आयकर अथवा अधिकर अथवा ब्याज कर अथवा दान कर अथवा व्यय कर अथवा होटल रसीद कर हेतु कर निर्धारण योग्य है, अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे।

2. इसके फलस्वरूप पैरा सं. 1 में उल्लिखित व्यक्तियों से संबंधित वे समस्त अपीलें जो निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ सं. 2 में विनिर्दिष्ट वार्डों/सर्किलों/जिलों में कर निर्धारण योग्य है तथा जो अब तक आयकर आयुक्त (अपील (II) कानपुर के स्तर पर विचाराधीन थी, वे भी निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ सं 1 में विनिर्दिष्ट आयुक्त (अपील) को स्थानान्तरित समझी जाएगी प्रसंगाधीन आदेश की शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

अनुसूची

आयकर आयुक्त (अपील) का प्रभार/मुख्यालय सहित	निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा निर्धारणीय मामलों में अपील हेतु क्षेत्राधिकार
1	2
आयकर आयुक्त (अपील–1), कानपुर	सहायक आयकर आयुक्त, सर्किल–3(1), कानपुर
	सहायक आयकर आयुक्त, सर्किल–3(2); कानपुर।
	सहायक आयकर आयुक्त जांच सर्किल, 3(1), कानपुर।
	आयकर अधिकारी, वार्ड –3(1), कानपुर।
	आयकर अधिकारी, वार्ड—3(2), कानपुर।
	आयकर अधिकारी, वार्ड—3(3), कानपुर।
	आयकर अधिकारी, वार्ड—3(4), कानपुर।
	आयकर अधिकारी, वार्ड –3(5) कानपुर।
	आयकर अधिकारी, वार्ड –3(6), कानपुर।
	आयकर अधिकारी वार्ड–23(1) बांदा।
	आयकर अधिकारी, वार्ड—3(2) बांदा।

यह अधिसूचना 01-10-1990 से प्रभावी होगी।

[सं. 2/सी सी आई टी/कानपुर/ज्यूरिस/सी आई टी (ए)/90-91/2456]

(Income Tax Department)

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX

Kanpur, the 26th September, 1990

S.O. 604.—In exercise of the powers conferred on me by Sub-section (1) of section 120 of the Income-tax Act, 1961 and by the notification No. 8478/F. No. 279/12/89-ITJ, dated 27-10-1989 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, in this behalf under the said section, I, the Chief Commissioner of Income-tax, Kanpur, in partial modification of this office order No. G. 6 F. No. CCIT/KNP/JURIS/CIT(A)/89/194, dated 7-12-1989, hereby direct that the CIT(A) specified in column No. 1 of the schedule below shall also perform the functions in respect of such persons or classes of persons, or of such incomes or classes of incomes or of such cases or classes of cases assessable inwards/circles/Districts specified in column No .2 of the schedule below, to Income tax or Sur-tax or interest-tax or Wealth-tax or Gift-tax or Expenditure-tax or Hotel Receipt tax.

2. Consequently, all the appeals in respect of persons mentioned in para No. 1 and assessable in wards/circles/Districts specified in column No. 2 of the schedule below which were hitherto pending with the CIT(A) II, Kanpur, will also stand transferred to the CIT(A) mentioned in Column No. 1 of the Schedule below. The other conditions of the order under reference will remained unchanged.

SCHEDULE

Charge of the CIT (Appeals) with Hrqs.	Jurisdiction over Appeals in cases Assessable by
1	2
Commissioner of Income-Tax (Appeals)-I Kanpur.	Asstt. Commissioner of Income-tax, Circle 3 (1), Kanpur
	Asstt. Commissioner of Income-tax, Circle 3(2), Kanpur.
	Asstt. Commissioner of Income-tax, Investigation Circle, 3(1) Kanpur.
	Income-tax Officer, Ward 3(1), Kanpur.
	Income-tax Officer, Ware 3(2), Kanpur.
	Income-tax Officer, Ward 3(3), Kanpur.
	Income-tax Officer, Ward 3(4). Kanpur.
	Income-tax Officer, Ward 3(5), Kanpur.
	Income-tax Officer, Ward 3(6), Kanpur.
	Income-tax Officer, Ward 3(1), Banda.
	Income-tax Officer, Ward 3(2), Banda.

This notification will come into force with effect from 1-10-1990

[No. 6/CCIT/Kan./Juris./CIT (A)/90-91/2456)]

का.आ. 605 —आयकर अधिनियम 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) तथा केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा उक्त धारा के अधीन इस संबंध मे जारी की गई अधिसूचना स. 8478, एफ न 279/121/89 आई. टी जे दिनाक 27-10-1989 में प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए मै मुख्य आय कर आयुक्त कानपुर इस कार्यालय के दिनाक 7-12-1989 के आदेश सख्या जी. 6 एफ न. सी सी आई टी/के एन पी ज्यूरिस / सी आई टी (ए)/89/194 मे आशिक सशोधन करते हुए एतद्द्वारा यह निदेश देता हू कि निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ–1 मे विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त (अपील) ऐसे व्यक्तियो अथवा व्यक्तियो के सम्बन्ध मे अथवा ऐसी आय के सबध मे अथवा आय के वर्गो के सम्बन्ध मे अथवा ऐसे मामले के सम्बन्ध मे अथवा ऐसे मामलो के वर्गो के सम्बन्ध मे जो निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ II म विनिर्दिष्ट वार्डो/सर्किलो/जिलो मे आयकर / अधिकार अथवा ब्याज कर अथवा दान कर अथवा व्यय कर अथवा होटल रसीद कर हेतु कर निर्धारण योग्य है, अपने कार्यो का निष्पादन करेंगे। इस कार्यालय के दिनाक 30-7-1990 के आदेश स. 1, एफ न. सी सी आई टी/के एन पी / ज्यूरिस सी आई टी (ए) 90–91 / 1685 के द्वारा किया गया आशिक सशोधन अपरिवर्तित रहेगा।

2 इसके फलस्वरूप पैरा न. 1 मे उल्लिखित व्यक्तियो से सम्बन्धित वे समस्त अपीलें जो निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ स 2 मे विनिर्दिष्ट वार्डो/सर्किलो/जिलो मे कर निर्धारण योग्य है तथा जो अब तक आयकर आयुक्त (अपील), मेरठ के स्तर पर विचाराधीन थी, वे भी निम्नलिखित अनुसूची के स्तम्भ स. 1 मे विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त (अपील) को स्थानान्तरित समझी जाएगी। दिनाक 7-12-1989 के प्रसगाधीन आदेश की अन्य शर्ते अपरिवर्तित रहेगी।

अनुसूची

आयकर आयुक्त (अपील) का प्रभार/ मुख्यालय सहित	निम्नलिखित अधिकारियो द्वारा निर्धारणीय मामलो मे अपील हेतु क्षेत्राधिकार
1	2
आयकर आयुक्त (अपील) मुजफ्फरनगर।	आयकर उपायुक्त (स्पे रेंज–I), गाजियाबाद।
	आयकर उपायुक्त (स्पे रेंज–II), गाजियाबाद।
	सहायक आयकर आयुक्त, सर्किल—I, गाजियाबाद
	सहायक आयकर, आयुक्त सर्किल—II गाजियाबाद।
	सहायक आयकर आयुक्त जाच सर्किल (इन्वेस्टीगेशन सर्किल), गाजियाबाद।
	आयकर अधिकारी वार्ड—I गाजियाबाद
	आयकर अधिकारी वार्ड–II गाजियाबाद।
	आयकर अधिकारी, वार्ड—III, गाजियाबाद।
	आयकर अधिकारी अतिरिक्त वार्ड (एडिशनल वार्ड), गाजियाबाद।
	आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण वार्ड (इन्वेस्टीगेशन वार्ड) गाजियाबाद।
	आयकर अधिकारी स्पेशल वार्ड गाजियाबाद।

यह अधिसूचना 1-10-1990 से प्रभावी होगी।

[स 3/सी सी आई टी/कानपुर/जुरिस सी आई टी (ए) 90-91/2457]

जी. सी. अग्रवाल, मुख्य आयकर आयुक्त

S.O. 605.—In exercise of the powers conferred on me by Sub-section (1) of section 120 of the Income tax Act, 1961 and by the Notification No. 8478/F. No. 279/121/89-IT, dated 27-10-1989 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, in this behalf under the said section, I the Chief Commissioner of Income-tax, Kanpur, in partial modification of this office order No. G 6 F No. CCIT/KNP/JURIS/CIT(A)/89/194, dated 7-12-1989, hereby direct that the CIT(A) specified in column No. 1 of the schedule below shall also perform the functions in respect of such persons or classes of persons, or of such incomes or classes of incomes or of such cases or classes of cases assessable in Wards/Circle/Districts specified in column No. 2, of the schedule below, to Income-tax or Sur-tax or Interest-tax or Wealth-tax or Gift-tax or Expenditure-tax or Hotel Receipt Tax. The partial modification made vide this office order No 1. F. No. CCIT/KNP/JURIS/CIT(A) 90-91/1685, dated 30-7-1990, will remain unchanged.

2. Consequently, all the appeals in respect of persons mentioned in para No 1 and assessable in Wards/Circles/Districts specified in column No. 2 of the schedule below, who were hither to pending with the CIT(A) Meerut, will also stand transferred to the CIT(A) mentioned in column No. 1 of the schedule below. The other conditions of the order dated 7-12-1989 under reference will remain unchanged.

SCHEDULE

Charge of the CIT (Appeals) with Hqrs.	Jurisdiction over appeals in cases Assessable by
1	2
Commissioner of Income-tax (Appeals), Muzaffarnagar.	Dy. Commissioner (Spl. Range-I), Ghaziabad
	Dy. Commissioner (Spl. Range-II), Ghaziabad.
	Asstt. Commissioner of Income-tax, Circle-I, Ghaziabad.
	Asstt. Commissioner of Income-tax, Circle-II, Ghaziabad.
	Asstt. Commissioner of Income-tax, Investigation Circle, Ghaziabad.
	Income-tax Officer, Ward-I, Ghaziabad.
	Income-tax Officer, Ward-II, Ghaziabad.
	Income-tax Officer, Ward-III, Ghaziabad.
	Income-tax Officer, Additional Ward, Ghaziabad.
	Income-tax Officer, Investigation Ward, Ghaziabad.
	Income-tax Officer, Special Ward, Ghaziabad.

This notification will come into force with effect from 01-10-1990.

[No 3 CCIT Kan. Juris CIT(A) 90-91/2457]

G.C. AGARWAL, Chief Commissioner of Income-tax

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1991

का. आ. 606.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे सारणी के स्तंभ (1) में उल्लिखित अधिकारी को जो कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के अधिकारी हैं उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और आगे निर्देश देती है कि उक्त अधिकारी उक्त सारणी के स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के प्रवर्गों की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन किसी सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और उस पर अधिरोपित कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

सारणी

अधिकारी का पदाभिधान	सरकारी स्थानों का प्रवर्ग
1	2
सचिव, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण।	कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद विकास प्राधिकरण के सभी स्थान अथवा उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अर्जित सभी स्थान।

[फाईल सं. 11/24/87 ई पी (कृषि 4)]
आर. सी. गुप्ता, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 19th February, 1991

S.O. 606.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer of Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority, to be an estate officer for the purpose of the said Act and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on an estate officer under the said Act in respect of the category of public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of Officer	Category of public premises
(1)	(2)
Secretary, Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority.	Any premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of the Agricultural & Processed Food Products Export Development, Authority.

[File No. 11/24/87-EP (Agri-IV)]

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1991

का.आ. 607.—मैसर्स आटो कन्ट्रोल्स प्रा. लि., शेड नं. 445 सैक्टर-5, परवाणू, हिमाचल प्रदेश को सामान्य मुद्रा क्षेत्र के अन्तर्गत संलग्न सूची के अनुसार संघटकों के आयात के लिए 41,87,484 रुपये (इकतालीस लाख सत्तासी हजार चार सौ चौरासी रुपए मात्र) का आयात लाईसेंस सं. पी./डी/2279262 दिनांक 19-2-90 मंजूर किया गया था।

2. फर्म ने उपर्युक्त लाईसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाईसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई या गुम हो गई है। आगे यह भी कहा गया है कि लाईसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति सीमाशुल्क प्राधिकारी, नई दिल्ली के पास पंजीकृत थी तथा उसका आंशिक रूप से इस्तेमाल किया गया था।

3. अपने तर्क के समर्थन में लाईसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक दिल्ली के समक्ष विधिवत रूप से शपथ लेकर एक शपथपत्र दाखिल किया है। तदनुसार मैं सन्तुष्ट हूं कि लाईसेंस सं. पी./डी/2279262 दिनांक 19-2-90 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति फर्म से खो गई या गुम हो गई है। यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप धारा 9(गग) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैसर्स आटो कन्ट्रोल्स प्रा. लि., परवाणू, हिमाचल प्रदेश को जारी की गई उक्त मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

4. सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

[सं. सप्ली/एन/एस-16/1976/डी जी टी डी/ए एम-90/एस एल एस/964]
अनीता पटेजा, उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 12th February, 1991

S.O. 607.—M/s. Auto Controls Pvt. Ltd. Shed No. 445, Sector-5, Parwanoo, H.P. were granted an import licence No. P/D/2279262 dated 19-2-90 for Rs. 41,87,484 (Rupees Forty one lakh eighty seven thousand four hundred and eighty four only) for import of Components as per list attached under G.C.A.

2. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs Purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the Customs Purposes copy of the licence was registered with Customs Authority, New Delhi and been utilised partly.

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes copy of import licence No. P/D/2279262 dated 19-2-90 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes copy No. P/D/2279262 dated 19-2-90 issued to M/s. Auto Controls Pvt. Ltd. Parwanoo, H.P. is hereby cancelled.

4. A duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. Suppl/NS-16/1976/DGTD/AM-90/SLS/964]
ANITHA PATHEJA, Dy. Chief Controller of

आदेश

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1991

का.आ. 608.—हिण्डालको इण्डस्ट्रीज लि., बम्बई को मुक्त विदेशी मुद्रा के अन्तर्गत तीन क्लासिक-2/45 वाली डिस्ट्रीब्यूटिड प्रोसेस कन्ट्रोल कानफिगरेशन ऑफ कम्प्यूटर सिस्टम के आयात के लिए 5,49,80,000 रुपये (पांच करोड़ उन्चास लाख अस्सी हजार रुपये मात्र) 41,70,228 अमरीकी डालर का एक आयात लाईसेंस सं. पी./सी जी/2042/23/सी/एक्स एक्स/04/2/87/सी जी-I एल एस, दिनांक 25-6-87 प्रदान किया गया था।

2. फर्म ने उक्त लाईसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति इस आधार पर जारी करने के लिए आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति खो गई/गुम हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति का आई जी आई एयरपोर्ट (कस्टम हाउस), नई दिल्ली के साथ पंजीकरण कराने के बाद 5,17,94,195 रुपये तक आंशिक रूप से प्रयोग कर लिया गया है तथा अब 31,85,805 रुपये की शेष राशि के लिए ही दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की आवश्यकता है।

3. अपने तर्क के समर्थन में लाईसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक, दिल्ली के समक्ष विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तद्नुसार मैं संतुष्ट हूं कि आयात लाइसेंस सं. पी/सी जी/2042123, दिनांक 25-6-87 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति फर्म से खो गई है या गुम हो गई है। यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 के उपखण्ड-9 (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं. हिण्डालको इण्डस्ट्रीज लि., बम्बई को जारी लाईसेंस सं. पी/सी जी/2042123, दिनांक 25-6-87 की उक्त मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति को एतद्द्वारा निरस्त किया जाता है।

4. पार्टी को उक्त लाईसेंस की एक दूसरी सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं. 353(1)/87-88/सी जी-I) 583]

एस. के. भारद्वाज, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

ORDER

New Delhi, the 15th February, 1991

S.O. 608.—M/s. Hindalco Industries Ltd. Bombay were granted an Import Licence No. P/CG/2042123/C/XX/04/H/87/CG/LS dated 25-6-87 for Rs. 5,49,80,000 (Rupees Five Crores Forty Nine Lakhs and Eighty Thousand only) US $ 41,70,228 for import of Three Nos. Classic-II/45 Distributed Process Control Configuration of Computer System under Free Foreign Exchange.

2. The firm has applied for issue of duplicate copy of Customs Purpose Copy of the mentioned licence on the ground that the original Customs Purpose Copy of the licence has been lost/misplaced. It has further been stated that the Customs Purpose Copy of the licence having been registered with IGI Airport (Custom House), New Delhi has been utilised partly for Rs. 5,17,94,195 and the duplicate Custom Purpose Copy is now required for the balance amount of Rs. 31,85,805.

3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public, Delhi. I am accordingly satisfied that the original Customs Purpose Copy of Import Licence No. P/CG/2042123 dated 25-6-87 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the power conferred under Sub-clause 9(cc) of the Import Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original Customs Purpose Copy of Licence No. P/CG/2042123 dated 25-6-87 issued to M/s. Hindalco Industries Ltd., Bombay is hereby cancelled.

4. A duplicate Customs Purpose Copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. 353(1)/87-88/CG. I/583]

S. K. BHARDWAJ, Dy. Chief Controller of Imports and Exports

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1991

का.आ. 309.—भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचित करता है कि नीचे अनुसूची के स्तम्भ (2) और (3) में उल्लिखत उत्पादों से संबंधित जो मुहरांकन फीस अनुसूची के स्तम्भ (7) अथवा (8) में दर्शायी गयी हैं, और जिन्हें पहले भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2) में अधिसूचित किया गया था, उनमें अनुसूची के स्तम्भ (4), (5) और (6) के अनुसार संशोधन किया गया है।

अनुसूची

क्र. सं.	उत्पाद	भारतीय मानक की संख्या तथा वर्ष	इकाई	मुहरांकन फीस की दर		भारत सरकार के राजपत्र अधिसूचना का संदर्भ		भारत के राजपत्र के जारी होने की तारीख	लागू होने की तिथि
				प्रति इकाई	इकाइयों के लिए	जिसमें आंशिक रूप से अधिकमित किया गया था का. आ. सं. और दि.	जिसे आंशिक रूप से संशोधित किया गया था का. आ. सं. तथा दि.		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	10
1.	बायलर स्टे के काबले और रिवेट के लिए आर्सेनिकयुक्त तांबे की छड़	आईएस : 288-1981	एक टन	30.00 20.00	पहले 250 शेष --	--	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-05-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2.	नेवल पीतल की छड़ और सेक्शन	आईएस : 291-1977	-वही-	30.00 20.00	पहले 250 शेष	--	-वही-	-वही-	-वही-
3.	फ्री कटिंग पीतल की छड़ सरिए और सेक्शन	आईएस : 319-1974	एक टन	30.00 20.00	पहले 250 शेष	--	3283 1983-09-26	-वही-	-वही-
4.	उच्च सनन पीतल के सरिए और सेक्शन	आईएस : 320-1980	-वही-	30.00 20.00	पहले 250 शेष	--	-वही-	-वही-	-वही-
5.	पानी गर्म करने के बिजली सुवाह्य निमज्जन हीटर	आईएस : 368-1983	1 नग	0.60 0.30	पहले 10000 शेष	--	2986 1984-08-28	1984-09-22	1989-02-01
6	सीलिंग रोसेज	आईएस 371-1979	100 नग	1.20 0.60	पहले 5000 शेष	--	1998 1984-05-30	1984-06-23	1989-04-01
7	छत के बिजली के पंखे और रेगुलेटर	आईएस: 374-1979	1 नग	1.25 0.50 0.10	पहले 10000 अगले 40000 शेष	--	2576 1984-07-01	1984-06-11	1989-04-01
8.	बाइसिकल के फ्रेम	आईएस: 623-1963	100 फ्रेम	2.00 1.00	पहले 10000 शेष	--	1998 1984-05-30	1984-06-23	1989-07-01
9.	एसी बिजली के मीटर	आईएस 722 (भाग 2 और 3) -- 1977		0.10 0.05	पहले 100000 शेष	--	2576 1984-07-11	1984-08-11	1989-07-01
10.	रेलगाड़ियों के लिए टंगस्टन तंतु के बिजली के लम्प	आईएस 897-1982	100 लैम्प	1.00	सभी	--	-वही-	-वही-	1989-12-01
11.	फैरो क्रोमियम	आईएस: 1170-1967	1 टन	15.00	सभी	--	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-12-01
12.	षट्कोणीय सिरे वाले काबले, पेंच और ढिबरी	आईएस : 1363 (भाग 1, 2 और 3)-1984	1 टन	10.00	सभी	--	-वही-	-वही-	-वही-
13.	षट्कोणीय सिरे वाले काबले, पेंच ढिबरी और पतली ढिबरी	आईएस: 1364 (भाग 1, 2 और 3)--1983 आई एस: 1364 (भाग 4 और 5)-1983	1 टन	10.00	सभी	--	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-12-01
14.	साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिए क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प	आईएस: 1520-1980	1 पम्प	2.00 1.00	पहले 5000 शेष	--	3414 1987-11-18	1987-12-12	1989-01-01
15.	फ्लोरेसेंट लैम्प के लिए गिट्टी (भाग 1)-- स्विच स्टार्ट परिपथ	आईएस : 1534 (भाग 1)-1977	100 नग	8.00	सभी	--	2986 1984-08-28	1984-09-22	1990-01-01
16.	सिलाई मशीन	आईएस: 1610-1981	1 सिलाई मशीन	0.30 0.20	पहले 50000 शेष	--	3974 1986-11-07	1986-11-29	1989-06-01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
17.	सिलिको क्रोमियम	आईएस: 2024-1979	1 टन	15.00	सभी	--	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-12-01
18.	अचल, भंडारण टाइप पानी गर्म करने के बिजली के हीटर	आईएस: 2082-1985	1 नग	3.00 1.50	पहले 3000 शेष	--	2986 1984-08-28	1984-09-22	1989-05-01
19.	ट्विस्ट ड्रिल मोर्स टेपर शैंक	आईएस: 5103-1969	1000 नग	50.00	सभी	--	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-11-01
20.	जिलेटिन, खाद्य ग्रेड	आईएस: 5719-1970	1 किग्रा	0.15	सभी	--	2789 1986-07-16	1986-08-09	1989-07-01
21.	फर्श और छत के लिए आटोक्लेवित प्रबलित सैलुलर कंक्रीट फर्श और छत स्लैब	आईएस: 6073-1971	10 एम^3	10.00 5.00	पहले 1000 शेष	--	2576 1984-07-11	1984-08-11	1989-08-01
22.	इस्पात संरचना हेतु षट्कोणीय काबले	आईएस: 6639-1972	1 टन	10.00	सभी	--	459 1987-01-08	1987-02-14	1989-12-01
23.	साफ, ताजे, ठंडे पानी के लिए निमज्जय पम्प सेट	आईएस: 8034-1976	1 पम्पसैट	10.00	सभी	--	-वही-	-वही-	1989-01-01
24.	कृषि प्रयोजन हेतु साफ, ठंडे, ताजे पानी के लिए मोनोसैट पम्प	आईएस: 9079-1979	1 मोनो-सैट	5.00 3.00	पहले 2000 शेष	4687 1984-11-30	--	1984-12-29	1989-01-01

[सं. केप्रवी/13 : 10]

एस. सुब्रह्मण्यन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 11th February, 1991

S. O. 609 :— The Bureau of Indian Standards, hereby notifies that the marking fees as notified earlier in Part-II, section-3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, shown in Col. 7 or 8 of the Schedule given here under, in respect of the various products shown under Col. 2 and 3 of the same Schedule have been revised as mentioned in Col. 4, 5 and thereof.

SCHEDULE

Sl. No.	Product	IS : No. & Year	Unit	Marking Per Unit Rs. P.	Fee Rate For Unit
1	2	3	4	5	6
1.	Arsenical copper rods for boiler stay bolts and rivets	IS : 288-1981	1 Tonne	30.00 20.00	First 250 Remaining
2.	Naval brass rods and sections	IS : 291—1977	-do-	30.00 20.00	First 250 Remaining

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3.	Free cutting brass rods and sections	IS : 319—1974	1 Tonne	30.00 20.00	First 250 Remaining
4.	High tensile brass rods and sections	IS : 320—1980	-do-	30.00 20.00	First 250 Remaining
5.	Electric portable immersion water heaters	IS : 368—1983	1 Piece	0.60 0.30	First 10000 Remaining
6.	Celling roses	IS : 371—1979	100 pieces	1.20 0.60	First 5000 Remaining
7.	Electric ceiling type fans and regulators	IS : 374—1979	1 Piece	1.25 0.50 0.10	First 10000 Next 40000 Remaining
8.	Bicycle frames	IS : 623—1963	100 Frames	2.00 1.00	First 10000 Remaining
9.	AC electricity meters	IS : 722 (Part II and III) —1977	1 Piece	0.10 0.05	First 100000 Remaining
10.	Tungston filament electric lamps for railways rolling stock	IS : 897—1982	100 Lamps	1.00	All
11.	Ferrochromium	IS : 1170—1967	1 Tonne	15.00	All
12.	Hegagonal head bolts scres and nuts	IS : 1363 (Pt 1, 2, & 3)——1984	-do-	10.00	All
13.	Hegagaon head bolts screws nuts and thin nuts	IS : 1364 (Pt 1, 2 & 3)——1983 IS : 1364 (Pt 4 & 5)——1985	1 Tonne	10.00	All
14.	Horizontal centrifugal pumps for clear cold fresh water	IS : 1520—1980	1 Pump	2.00 1.00	First 5000 Remaining
15.	Ballasts for flurescent lamps (Part 1) Switch start circuits	IS : 1534 (Part I)—1977	100 Pieces	8.00	All
16.	Sewing Machines	IS : 1610—1981	1 Sewing machine	0.30 0.20	First 50000 Remaining
17.	Silico Chromium	IS : 2024—1979	1 Tonne	15.00	All
18.	Stationary storage type electric water heaters	IS : 2082—1985	1 Piece	3.00 1.50	First 3000 Remaining
19.	Twist drills morse taper shanks—IS : 5103—1969	IS : 15103—1969	1000 Pieces	50.00	All
20.	Gelatin, food grade	IS : 5719—1970	1 Kg	0.15	all
21.	Auto claved reinforced cellular concrete floor and roof slabs	IS : 6073—1971	10 m^3	10.00 5.00	First 1000 Remaining
22.	Hexagon bolts for steel structure	IS : 6639—1972	1 Tonne	10.00	All
23.	Submersible pumpsets for clear, cold fresh water	IS : 8034—1976	1 Pump sets	10.00	All
24.	Monoset pumps or clear, cold fresh water for agricultural purposes	IS : 9079—1979	1 Monoset	5.00 3.00	First 2000 Remaining

Sl. No.	Reference of Govt. of India, Gazette Notification Superseded S.O. No. and (1) Date	Partially Modified S.O. No. and Date	Date of Issue of Gazette of India	Date of Effect
1	——	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-05-01
2	——	-do-	-do-	-do-
	(7)	(8)	(9)	(10)
3	—	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-05-01
4	—	-do-	-do-	-do-
5	—	2986 1984-08-28	1984-09-22	1989-02-01
6	—	1998 1984-05-30	1984-06-23	1989-04-01
7	—	2576 1984-07-11	1984-08-11	-do -
8	—	1998 1984-05-30	1984-06-23	1989-07-01

(1)	(7)	(8)	(9)	(10)
9	—	2576 1984-07-11	1984-08-11	1989-11-01
10	—	-do-	-do-	1989-12-01
11	—	3283 1984-09-26	1984-10-20	-do-
12	—	-do-	-do-	-do-
13	—	-do-	-do	-do-
14	—	3414 1987-11-18	1987-12-12	1989-01-01
15	—	2986 1984-08-28	1984-09-22	1990-01-01
16	—	3974 1986-11-07	1986-11-29	1989-06-01
17	—	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-12-01
18	—	2986 1984-08-28	1984-09-22	1989-05-01
19	—	3283 1984-09-26	1984-10-20	1989-11-01
20	—	2789 1986-07-16	1986-08-09	1989-07-01
21	—	2576 1984-07-11	1984-08-11	1989-08-01
22	—	459 1987-01-08	1987-02-14	1989-12-01
23	—	-do-	-do-	1989-01-01
24	4687 1984-11-30	— —	1984-12-29	-do-

[No. CMD/13 : 10]
S. SUBRAHMANYAN, Addl. Director General.

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 1991

का. आ. 310 :—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इस अधिसूचना के अनुलग्नक में उल्लिखित उपक्रमों के पंजीकरण का निरस्तीकरण अधिसूचित करती है क्योंकि उक्त उपक्रमों पर उक्त अधिनियम के भाग-क, अध्याय-III के उपबन्ध अब लागू नहीं होते है।

[सं. 32/1/एम. आर. यू./91]
देवेन्द्र सिंह, अवर सचिव

दिनांक 11-2-91 की अधिसूचना संख्या –32/1/एम आर यू/9 का अनुलग्नक

क्रम सं.	उपक्रम का नाम	पंजीकृत कार्यालय	पंजीकरण संख्या
1	मैसर्स उड़ीसा स्पोंज आयरन लिमिटेड	6 शहीद नगर, पहली मंजिल भुवनेश्वर–571007	1667/83
2.	मैसर्स मोहता सैल्युलोस प्रोडक्ट्स लिमिटेड	आत्माराम हाउस 1 टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली–1	1827/84
3.	श्री भवानी काटन मिल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड	–यथोपरि –	1825/84

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 11th February, 1991

S.O. 610.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the undertakings mentioned in the Annexure to this Notification, the said undertakings being undertakings to which the provisions of Part A, Chapter-III of the said Act no longer apply.

[No. 32/1/MRU/91]

DEVINDER SINGH, Under Secy.

ANNEXURE

S.No.	Name of the Undertaking	Registered Office	Registration Number
1.	M/s. Orissa Sponge Iron Ltd.	6, Sahid Nagar, 1st Floor, Bhubaneshwar Bhubneshwar-751 007.	1667/83
2.	M/s. Mohta Cellulose Products Ltd.	Atmaram House 1, Tolstoy Marg, New Delhi-1.	1827/84
3.	Shree Bhawani Cotton Mills and Industries Ltd.	-do-	1825/84

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1991

का.आ. 611.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड-3, उपखंड (ii), तारीख 17 फरवरी, 1990 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का.आ.सं. 414 तारीख 22 जनवरी, 1990 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 1890 एकड़ (लगभग) या 764.87 हैक्टर (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि 1660 एकड़ (लगभग) या 671.792 हैक्टर (लगभग) में कोयला अभिप्राप्त है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1660 एकड़ (लगभग) या 671.792 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण: 1. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. आर ई.सी. /20/90 तारीख 15 अक्तूबर, 1990 का निरीक्षण कलक्टर सिंधी (म.प्र.) के कार्यालय में या नार्दर्न कोलफील्डस लि. (राजस्व अनुभाग), सिंगरौली (मध्य प्रदेश) या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में किया जा सकता है।

टिप्पण: 2. कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं।

टिप्पण 3: केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है । देखिए भारत के राजपत्र, तारीख 17 अक्तूबर, 1987 पृष्ठ 3587 से 3591 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. 43022/12/87-सी.ए. (ii) तारीख 5 अक्तूबर, 1987.

"8. अर्जन की बाबत आपत्तियां:—(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने के तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा ।

स्पष्टीकरण—इस धारा के प्रयोजनों यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर उसकी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्रवाई के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा ।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का अवसर हकदार होता यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।"

अनुसूची

गोरबी ब्लाक "बी" विस्तार

नार्दर्न कोलफील्डस लि.

सिंगरौली

जिला–सीधी (मध्य प्रदेश)

समस्त अधिकार रेखांकन सं. राजस्व/20 तारीख 15-10-90 (अर्जित का जाने वाली भूमि दर्शाते हुए)

क्र. सं.	ग्राम	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणी
1.	महदेइया	चिलगी	सीधी	30.00 एकड़ (लगभग)	भाग
2.	नौरहिया	,,	,,	490.00 ,,	,,
3.	राजखंड	सिंगरौली	,,	161.00 ,,	,,
4.	सोलांग	,,	,,	338.00 ,,	,,
5.	सिंगाही	,,	,,	112.00 ,,	,,
6.	चकुआर	,,	,,	106.00 ,,	,,
7.	पादारी	,,	,,	368.00 ,,	,,
8.	माहेर	,,	,,	55.00 ,,	,,
				1660.00 एकड़ (लगभग) या 671.792 हैक्टर (लगभग)	

महदेइया ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

35(भाग), 31, 37, 38 (भाग), 39(भाग), 292(भाग), 295(भाग), 303(भाग), 305(भाग), 306, 307 से 313 तक, 314(भाग), 315.

नौरहिया ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

9(भाग), 10, 11, 12, 13(भाग), 14(भाग), 15(भाग), 21(भाग), 22 से 38 तक, 39(भाग), 40, 41(भाग), 42, 43, 44, 45, 46(भाग), 47, 48 (भाग), 56(भाग), 57(भाग), 59(भाग), 106(भाग), 109(भाग), 110(भाग), 117(भाग), 118(भाग), 121(भाग), 122(भाग),124(भाग), 8/127 (भाग), 128, 129, 133, 138(भाग)

राजखंड ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

38(भाग), 60(भाग), 61 से 67 तक, 68(भाग), 69(भाग), 70(भाग), 79(भाग), 175(भाग), 176, 177(भाग), 178(भाग), 179(भाग), 180 (भाग), 1813 से 187 तक, 188(भाग), 189(भाग), 190(भाग), 199(भाग), 200(भाग), 201(भाग), 202, 203(भाग), दो असंख्यांकित भाग प्लाट, 20 (भाग), 205(भाग), 206(भाग), 207(भाग), 208 से 235 तक, 236(भाग), 237 से 353, 356 और 357.

ग्राम सोलांग में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

890(भाग), 891(भाग),एक असंख्यांकित प्लाट, 906(भाग), 907(भाग), 908 से 931 तक, 932(भाग), 933 से 943 तक, 944(भाग) 945(भाग), 946(भाग), 950(भाग), 975(भाग), 976, 977(भाग), 978, 979, 980, 981(भाग), 982 से 1064 तक, 1065(भाग), 1066, 1067 (भाग), 1068(भाग), 1069(भाग), 1084(भाग), 1085(भाग), 1113, दो असंख्यांकित प्लाट।

सिंगाही ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट :

117(भाग), 122(भाग), 123(भाग), 124(भाग), 125(भाग), 137(भाग), 138(भाग), 139(भाग), 140 से 144 तक, 145(भाग), 146(भाग) 147 से 182 तक, 183(भाग), 184(भाग), 191(भाग), 192(भाग), 193, 194, 195, 196(भाग), 197 से 233 तक, 234(भाग), 235, 236, 237, 238, 239(भाग), 240, 241, 242, 243, 244(भाग), 245(भाग), 246(भाग), 248, 249, 250(भाग), 254(भाग).

चकुआर ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट :

169(भाग), 170(भाग), 171(भाग), 172(भाग), 196(भाग), 197, 198, 199, 200, 201(भाग), 202(भाग), 203(भाग), 204(भाग), 207 (भाग), 208से 222तक, 223(भाग), एक असंख्यांकित प्लाट, 226(भाग), 227(भाग), 233(भाग), 234से 238 तक, 239(भाग), 240से 262तक, 263 (भाग), 264(भाग), 265(भाग), 266 267, 268(भाग), 269(भाग), एक असंख्यांकित प्लाट (भाग), 272(भाग), 279(भाग), 280, 282, 284.

पादारी ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट सं. :

1596(भाग), 1607(भाग), 1612(भाग), 1613(भाग), 1614(भाग), 1615(भाग),1616(भाग), 1632(भाग), 1633(भाग), 1634(भाग), 1635 से 1648 तक, 1649(भाग), 1650, 1656, 1652, 1653, 1654(भाग), 1655(भाग), 1656(भाग), 1659(भाग), 1660(भाग), 1661 से 1687 तक, 1688(भाग), 1689(भाग), 1693(भाग), चार असंख्यांकित प्लाट।

मोहर ग्राम में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्यांक :

एक असंख्यांकित प्लाट :

सीमा वर्णन :

क-ख रेखा राजखंड ग्राम के प्लाट सं. 189, 188, 190, 180, 179, 178, 177, 175 और प्लाट संख्यांक 907, 906 एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है और सोलांग ग्राम के प्लाट संख्यांक 891, 890, 945, 944, 946, 981, 977, 950, 975 से होकर गुजरती है और ग्राम सिंगाही के प्लाट सं. 145, 146, 138, 139, 137, 125, 124, 123, 122, 117, 183, 184, 196, 197, 191 से होकर गुजरती है और ग्राम चकुआर के प्लाट संख्यांक 233, 239, 277, 226, 223, 207, 204, 201, 202, 203, 196, 171, 172, 169, 170 से गुजरती है और ग्राम पादारी के प्लाट संख्यांक 1596, 1607, 1659, 1660, 1655, 1654, 1656, 1649, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1632, 1633 से होकर गुजरती है ।

ख-ग रेखा पादारी ग्राम के प्लाट संख्यांक 1633, 1634 और एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है ।

ग-घ रेखा पादारी ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है जो सी.बी.ए. (एअौरडी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरबी ब्लाक "बी' की सम्मिलित सीमा बनाती है ।

घ-ङ रेखा पादारी ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है जो सी.बी.ए. (एअौरडी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरबी ब्लाक "बी" की सम्मिलित सीमा बनाती है ।

ङ-च रेखा पादारी ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट, प्लाट सं. 1693, 1688, 1689 एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है और ग्राम चकुआर के प्लाट संख्यांक 279, 263, 269, 268 एक असंख्यांकित प्लाट, फिर प्लाट सं. 272, 265, 274 से होकर गुजरती है और सिंगाही ग्राम के प्लाट सं. 244, 245, 247, 246, 250, 239, 234, 254 से होकर गुजरती है और सोलांग ग्राम के प्लाट सं. 1085 (जो सी.बी.ए. (एअौर डी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरवी ब्लाक "बी" की सम्मिलित सीमा बनाती है)

च-छ रेखा सोलाण ग्राम के प्लाट सं. 1085, 1084, 1065, 1067, 1068, 1069 से होकर गुजरती है (माहेर ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है नोरिहया ग्राम के प्लाट सं. 124 से होकर गुजरती है) जो सी.बी.ए. (एअौर डी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरवी ब्लाक "बी" की सम्मिलित सीमा बनाती है)।

छ-ज, रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 124, 132, 106, से होकर गुजरती है ।

ज-झ रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 106, 121, 124 से होकर गुजरती है जो सी.बी.ए. (एअौरडी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरवी ब्लाक विस्तार की सम्मिलित सीमा बनाती है ।

झ-ञा रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 124 से होकर गुजरती है जो सी.बी.ए. (एअौरडी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरवी ब्लाक विस्तार की सम्मिलित सीमा बनाती है।

ञा-ट रेखा, जो सी.बी.ए. (एअौर डी), अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरवी ब्लाक विस्तार की सम्मिलित सीमा बनाती है)।

ट-ठ रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट संख्या 124, 117, 118, 117, 110 से होकर गुजरती है (जो सी.बी.ए. (एअौरडी) अधिनियम की धारा 9 के अधी अर्जित किए गए गोरबी ब्लाक विस्तार की सम्मिलित सीमा बनाती है ।

ठ-ड रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 110, 109, से होकर गुजरती है ।

ड-ढ रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट संख्या 109, 39, 48, 41, 48, 46 से होकर गुजरती है ।

ढ-ण रेखा नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 46, 48, 57, 56 से होकर गुजरती है ।

ण-त, रेखा, नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 56, 57, 48, 59, 48 से होकर गुजरती है ।

त-क रेखा महदेइया ग्राम के प्लाट सं. 8, 35, 38, 39, 292, 295, 305, 303, 314 से होकर गुजरती है और नौरहिया ग्राम के प्लाट सं. 21, 138, 138, 15, 14, 13, 9, 8 127 से होकर गुजरती है और राजखंड ग्राम के प्लाट सं. 20, एक असंख्यांकित प्लाट 38, 236, 60, 68, 69, 70, 200 201, 199, 203, एक असंख्यांकित प्लाट, फिर असंख्यांकित प्लाट, 204, 205, 206, 208, 79 और 189 से गुजरती हुए बिन्दु "क" पर मिलती है।

थ-अ रेखा, पादारी ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है ।

द-ध रेखा, पादारी ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है ।

ध-थ रेखा, पादारी ग्राम के एक असंख्यांकित प्लाट से होकर गुजरती है और "थ" बिन्दु पर मिलती है जो सी.बी.ए. (एअौरडी) अधिनियम की धारा 9 के अधीन अर्जित किए गए गोरबी ब्लाक "बीरुर की सम्मिलित सीमा बनाती है ।

[फा. सं. 4301/520/89-एल.एस.डब्ल्यू.]

वी. वी. राव, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 18th February, 1991

S.O. 611.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 414, dated the 22nd January, 1990, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 17th February, 1990, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1890 acres (approximately) or 764.87 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in 1660 acres (approximately) or 671.792 hectares (approximately) of lands.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 1660 acres (approximately) or 671.792 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto :

Note—1. The plan bearing No. REV/20/90 dated 15th October, 1990 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Sidhi (Madhya Pradesh), or at the Office of the Northern Coalfields Limited (Revenue Section), Singrauli (Madhya Pradesh) or the Coal Controller 1, Council House Street, Calcutta.

Note 2—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows :

Objection to Acquisition

8. (1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operation in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the Competent Authority in writing, and the Competent Authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different part of such land or of rights in or over such land, to the Central Government containing his recommendations on the objections, together with the records of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note 3—The Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the said Act vide notification No 43022/12/87-CA (ii) dated 5th October, 1987 published in the Gazette of India, dated 17th October 1987 at pages 3587 to 3591.

SCHEDULE

GORBI BLOCK 'B' EXTENSION,
NORTHERN COALFIELDS LIMITED, SINGRAULI
DISTT. SIDHI (MADHYA PRADESH)
DRAWING NO. Rev/20 dt. 15-10-90

ALL RIGHTS (Showing lands to be acquired)

Sl. No.	Village	Tehsil	Dstt.	Area in acres	Remarks
1.	Mahdeiya	Chitrangi	Sidhi	30.00 acres (Approximately)	Part
2.	Naurhiya	Chitrangi	Sidhi	490.00 "	"
3.	Rajkhad	Singrauli	Sidhi	161.00 "	"
4.	Solang	Singrauli	Sidhi	338.00 "	"
5.	Sigahi	Singrauli	Sidhi	112.00 "	"
6.	Chakuar	Singrauli	Sidhi	106.00 "	"
7.	Padari	Singrauli	Sidhi	368.00 "	"
8.	Muher	Singrauli	Sidhi	55.00 "	"
				1660.00 Acres (approx) or 671.792 ha. (approx)	

Plot numbers to be acquired in village Mahdeiya :

35(p), 36, 37, 38(p), 39(p), 292(p), 295(p), 303 (p), 305(p), 306, 307 to 313, 314(p), 315.

Plot numbers to be acquired in village Naurhiya :

9(p), 10, 11, 12, 13(p), 14(p), 15(p), 21(p), 22 to 38, 39(p), 40, 41(p), 42, 43, 44, 45, 46(p), 47, 48(p), 57(p), 59(p), 106(p), 109(p), 110(p), 117(p), 118(p), 121(p), 122(p), 124(p), 8/127(p), 128, 129, 133, 138(p).

Plot numbers to be acquired in village Rajkhad :

38(p), 60(p), 61 to 67, 68(p), 69(p), 70(p), 79(p), 175(p), 176, 177(p), 178(p), 179(p), 180 (p), 181 to 187, 188(p), 189(p), 190(p), 199(p), 200(p), 201(p), 202, 203(p), two un-numbered part plots, 104(p), 205(p), 206(p), 207(p), 208, to 235, 236(p), 237 to 353, 356 and 357.

Plot numbers to be acquired in village Solang :

890(p), 891(p), one un-numbered plot (p), 906(p), 907(p), 908 to 931, 932(p), 933 to 943, 944(p), 946 (p), 950(p), 975(p), 976, 945(p) 977(p), 978, 979, 980, 981(p), 982 to 1064, 1065(p), 1066, 1067 (p), 1068(p), 1069(p), 1084(p), 1085(p), 1113, two un-numbered plots.

Plot numbers to be acquired in village Sigahi :

117(p), 122(p), 123(p), 124(p), 125(p), 137(p), 138(p), 139(p), 140 to 144 145(p) 146(p) 147 to 182 183(p), 184(p), 191(p), 192(p), 193, 194, 195, 196(p), 197 to 233, 234(p), 235 236, 237, 238 239(p) 240 241, 242, 243, 244(p), 245(p), 246(p), 247(p), 248, 249, 250(p), 254(p).

Plot numbers to be acquired in village Chakuar :

169(p), 170(p), 171(p), 172(p), 196(p), 197, 198, 199 200, 201(p) 202(p), 203(p) 204(p) 207(p) 208 to 222 223(p) one un-numbered plot 226(p) 227(p), 233(p), 234 to 238, 239(p) 240 to 262, 263(p), 264(p), 265(p), 272(p), 279(p), 280, 283, 284.

Plot numbers to be acquired in village Padari :

1596(p), 1607(p) 1612(p), 1613(p), 1614(p), 1615 (p), 1616(p), 1632(p), 1633(p), 1634(p), 1635 to 1648, 1649(p), 1650 1651 1652, 1653, 1654(p), 1655(p) 1656(p), 1659(p), 1660(p), 1661 to 1687, 1688(p), 1689(p), 1693(p), four un-numbered plots.

Plot numbers to be acquired in village Muher :

One un-numbered plot

BOUNDARY DESCRIPTION :

A—B Line passes through plot numbers 189, 188, 190, 180, 179, 178 177, 175 of village Rajkhad and plot numbers 907, 906, 932, one un-numbered plot, 891, 890, 945, 944, 946, 981, 977, 950, 975, of village Solang and 145, 146, 138, 139, 137, 125 124, 123, 122, 117, 183, 184, 196, 192, 191 of village Sighai and plot numbers 233 239, 227, 226, 223, 207, 204 201, 202, 203 196 171, 172, 169, 170 of village Chakuar and plot numbers 1596, 1607 1659, 1660, 1655, 1654, 1656, 1649, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1632, 1633 of village Padari.

B—C Line passes through plot numbers 1633, 1634 and one un-numbered plot of village Padari.

C—D Line passes through one un-numbered plot of village Padari which forms common boundary of Gorbi Block 'B' acquired under section 9 of CBA (A and D) Act.

D—E Line passes through one un-numbered plot of village Padari which forms common boundary of Gorbi Block 'B' acquired under section 9 of CBA (A and D) Act.

E—F Line passes through one un-numbered plot 1693 1688, 1689 one un-numbered plot of village Padari and plot numbers 279 263, 269, 268, one un-numbered plot, 272, 265, 264, of village

Chakuar and plot numbers 244, 245, 247, 246, 250, 239, 234, 254 of village Sigahi and plot number 1083 of village Solang, (which forms common boundary of Gorbi Block 'B' acquired under section 9 of CBA (A and D) Act.

F—G Line passes through plot numbers 1085, 1084, 1065, 1067, 1068, 1069 of village Solang, one un-numbered plot of village Muher, plot number 124 of village Naurhiya (which forms common boundary of Gorbi Block 'B' acquired under section 9 of CBA (A and D) Act.

G—H Line passes through plot numbers 124, 122, 106 of village Naurhiya

H—I Line passes through plot numbers 106, 121, 124 of village Naurhiya (which forms common boundary of Gorbi Block Extension acquired under section 9 of CBA (A and D) Act).

I—J Line passes through plot number 124 village Naurhiya (which forms common boundary of Gorbi Block Extension acquired under section 9 of CBA (A and D) Act).

J—K Line passes through plot number 124 of village Naurhiya, (which forms common boundary of Gorbi Block Extension acquired under section 9 of CBA (A and D) Act).

K—L Line passes through plot numbers 124, 117, 118, 117, 110, of village Naurhiya (which forms part common boundary of Gorbi Block Extension acquired under section 9 of CBA (A and D) Act.

L—M Line passes through plot numbers 110, 109 of village Naurhiya.

M—N Line passes through plot numbers 109, 39, 48, 41, 48, 46, of village Naurhiya.

N—O Line passes through plot numbers 46, 48, 57, 56 of village Naurhiya.

O—P Line passes through plot numbers 56, 57, 48, 59, 48, of village Naurhiya and plot number of village Mahadeiya.

P—A Line passes through plot numbers 35, 38, 39, 292, 295, 305, 303, 314 of village Mahadeiya and plot numbers 21, 138, 15, 14, 13, 9, 8/127 of village Naurhiya and plot numbers 20, one un-numbered plot 38, 236, 60, 69, 68, 70, 200, 201, 199, 203, one un-numbered plot, one un-numbered plot 204, 205, 206, 207, 79 and 189 of village Rajkhad and meets at point A.

Q—R Line passes through one un-numbered plot of village Padari.

R—S Line passes through one un-numbered plot of village Padari.

S—Q Line passes through one un-numbered plot of village Padari and meets at point Q (which forms common boundary of Gorbi Block 'B' acquired under section 9 of CBA (A and D) Act.

[No. 43015/20/89-LSW]

B. B. RAO, Under Secy.

(परमाणु ऊर्जा विभाग)

आदेश

बम्बई, 16 जनवरी, 1991

एस. ओ. 612--राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिविल सेवा वर्गीकरण (नियंत्रण तथा अपील), नियमावली, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उप-नियम (2) के खण्ड (ख) तथा नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा भारत सरकार, परमाणु ऊर्जा विभाग के दिनांक 7 जुलाई, 1979 के संख्या एस.ओ. 2537 के आदेश में निम्नलिखित अगला संशोधन करते हैं, अर्थात्:--

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में--

(1) शीर्ष "भाग I, सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग ख," के अन्तर्गत क्रम संख्या 17 को पुनः क्रम सं. 18 लिखा जाएगा और इस प्रकार पुनः दी गई क्रम सं. 18 से पहले निम्नलिखित क्रम सं. तथा प्रवृष्टियां की जाएंगी, अर्थात्:--

1	2	3	4	5	6
"17.	विकिरण एवं आइसोटोप बोर्ड, बम्बई में पद	मुख्य कार्यकारी, विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई	मुख्य कार्यकारी विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई	सभी	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग

(2) शीर्ष "भाग-II--सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग ग", के अंतर्गत क्रम सं. (xvii) को पुनः क्रम सं. (xviii) लिखा जाएगा तथा इस प्रकार पुनः दी गई क्रम सं. (xviii) से पहले निम्नलिखित क्रम संख्या तथा प्रवृष्टियां की जाएंगी अर्थात्:--

1	2	3	4	5	6
"xvii)	विकिरण तथा आइसोटोप प्रौद्योगीकी बोर्ड बंबई में पद	मुख्य कार्यकारी, विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई	मुख्य कार्यकारी विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई	सभी	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग

(3) (3) शीर्ष "भाग-III--सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग "घ" के अंतर्गत क्रम सं. (xvii) को पुन क्रम सं. (xviii) लिखा जाएगा तथा इस प्रकार पुन दी गई कम सं (xviii) से पहले, निम्नलिखित क्रम सं. तथा प्रवृष्टियां की जाएगी, अर्थात:--

1	2	3	4	5	6
(xvii)	विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई में पद	प्रशासन अधिकारी-III विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई	प्रशासन अधिकारी-III विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई	सभी	मुख्य कार्यकारी, विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, बम्बई

[सं. 1/6(2)/90-सत./23]

हे. भ. विजयकर, उप सचिव

टिप्पणी : यह आदेश दिनांक 7-7-1979 के एस. ओ. सं. 2537 में प्रकाशित किया गया था और बाद में निम्नलिखित आदेशों द्वारा संशोधित किया गया :—

1. आदेश सं. एस.ओ. 22(1)/68-प्रशा. II दि. 21-11-79
2. आदेश सं. एस. ओ. 22(1)/68-प्रशा. II दि. 9-9-80
3. आदेश सं. एस. ओ. 22(1)/68-प्रशा. II दि. 2-12-80
4. आदेश सं. एस. ओ. 22(1)/68-प्रशा. II दि. 1-1-81
5. आदेश सं. एस. ओ. 22(1)/68-प्रशा. II दि. 2-2-81
6. आदेश सं. एस. ओ. 22(1)/68-प्रशा. II दि. 27-9-82
7. आदेश सं! एस. ओ. 2/2/82/सतर्कता दि. 9-5-83
8. आदेश सं! एस.ओ. 22(1)/68-सतर्कता दि. 26-10-88
9. आदेश सं. एस. ओ. 1782(22)(1)/68-सतर्कता, दि. 26-8-89
10. आदेश सं. एस! ओ. 22(1)/68-सतर्कता दि. 14-8-89
11. आदेश सं. एस. ओ. 22(1)/68-सतर्कता दि. 21-12-89
12. आदेश सं. एस. ओ. 1714(1)/88-सतर्कता दि. 11-10-90

(Department of Atomic Energy)

ORDER

Bombay, the 16th January, 1991

S.O. 612 .—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause(b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments to the Order of the Government of India in the Departenment of Atomic Energy, No.S O. 2537, dated the 7th July, 1979, namely :—

In the Schedule to the said Notification—

(1) Under the heading "Part I, General Central Service, Group 'B', Serial number 17 shall be renumbered as Serial number 18 and before Serial number 18 as so renumbered the following Serial number and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6
"17.	Posts in Board of Radiation and Isotope Techniloogy, Bombay	Chief Executive, Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay	Chief Executive Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay	All	Secretary, Department of Atomic Energy"

(2) Under the heading "Part II—General Central Service, Group 'C", Serial number (xvii) shall be renumbered as Serial number (xviii) and before Serial number (xviii) as so renumbered, the following Serial number and entries shall be inserted, namely :

1	2	3	4	5	6
"xvii	Posts in Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay.	Chief Executive, Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay.	Chief Executive Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay.	All	Secretary, Department of Atomic Energy."

(3) Under the heading "Part III—General Central Service, Group 'D", Serial number (xvii) shall be renumbered as Serial number (xviii) and before Serial number (xviii) as so renumbered, the following Serial number and entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5	6
"xvii	Posts in Board of Radiation and Isotope Technology Bombay.	Administrative Officer-III, Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay.	Administrative Officer-III, Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay.	All	Chief Executive, Board of Radiation and Isotope Technology, Bombay."

[No. 1/6(2)/90-Vig./23]

KUM. H.B. VIJAYAKAR, Dy. Secy.

NOTE : The Order was published vide S.O. No. 2537 dated 7-7-1979 and subsequently amended vide following Orders :

1. Order No. S.O. 22(1)/68-Admn.II dt. 21-11-79
2. Order No. S.O. 22(1)/68-Admn.II dt. 9-9-80
3. Order No. S.O. 22(1)/68-Admn.II dt. 2-12-80

4. Order No. S.O. 22(1)/68-Admn.II dt. 1-1-81
5. Order No. S.O. 22(1)68-Admn.II dt. 2-2-81
6. Order No. S.O. 22(1)/68-Admn.II dt. 27-9-82
7. Order No. S.O. 2/2/82-Vig. dt. 9-5-83
8. Order No. S.O. 22(1)/68-Vig. dt. 26-10-88
9. Order No. S.O. 1782 (22(1)/68-Vig.) dt. 26-6-89
10. Order No. S.O. 22(1)/68-Vig. dt. 14-8-89
11. Order No. S.O. 22(1)/68-Vig. dt. 21-12-89
12. Order No. S.O. 1/14(1)/88-Vig. dt. 11-10-90

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विभाग)

नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1991

का.आ. 613.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1963 (1963 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3904 तारीख 1-11-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड रिफायनरी, माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहुल बम्बई तक नाफ्ता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहुल, बम्बई से कैरा ग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए

ग्राम	सर्वे नं./गट नं.	हिस्सा नं.	क्षेत्र हेक्टर-आर-सेन्टेयर
ग्राम-आरई	117	10अ पैकी	00-01-90
तालुका-पनवेल	117	9+10अ पैकी	00-00-60
जिला-रायगढ़	117	6 पैकी	00-00-70
राज्य-महाराष्ट्र	117	2+3+7 पैकी	00-00-50
	127+128	प्लाट नं. 6 पैकी	00-00-90
	127+128	प्लाट नं. 4 पैकी	00-01-80
	129	1 पैकी	00-05-10
	129	2 पैकी	00-01-80
	129	3 पैकी	00-00-05
	129	4 पैकी	00-00-60
	130	3 पैकी	00-00-50
	132	5 पैकी	00-00-90
	132	2 पैकी	00-00-25
	132	6 पैकी	00-01-80
	132	1 पैकी	00-00-60
	133	3 पैकी	00-03-60
	133	2 ड पैकी	00-00-90
	131	1 पैकी	00-02-25
	133	1 पैकी	00-01-80
	6	1+2+4 पैकी	00-01-80

[सं. पी-32015/22/90-वित्त.]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum and Natural Gas)

New Delhi, the 20th February, 1991

S.O. 613.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 3104 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), The Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted a report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines ;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area.Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No./ Gat No.	Hissa No.	Area Hector-Are-Centiare
Village Adai	117	10B Part	00-01-90
Taluka—Panvel	117	9+10A Part	00-00-60
District—Raigad	117	6 Part	00-00-70
State—Maharashtra	117	2+3+7 Part	00-00-50
	127+128	Plot No. 6 Part	00-00-90
	127+128	Plot No. 4 Part	00-01-80
	129	1 Part	00-05-10
	129	2 Part	00-01-80
	129	3 Part	00-00-05
	129	4 Part	00-00-60
	130	3 Part	00-00-50
	132	5 Part	00-00-90
	132	2 Part	00-00-25
	132	6 Part	00-01-80
	132	1 Part	00-03-60
	133	3 Part	00-03-60
	133	2D Part	00-00-90
	131	1 Part	00-02-25
	133	1 Part	00-01-80
	6	1+2+4 Part	00-01-80

[No P-32015/22/90-Dist.]

का.आ. 614.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3092 तारीख 1-11-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार के उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को महाराष्ट्र राज्य मे भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, माहूल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पाताल गंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहूल बम्बई तक नाफ्ता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछाने के लिये अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग के अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहूल, बम्बई से कैरा ग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र तालुका खालापुर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए

ग्राम	सर्वे नं./गट नं०	हिस्सा नं	क्षेत्र हेक्टर-आर-सेन्टेयर
ग्राम—भिंगार	47	2 पैकी	00-05-50
तालुका—पनवेल	47	1 पैकी	00-02-70
जिला—रायगढ	61	0 पैकी	00-01-20
राज्य—महाराष्ट्र	60	0 पैकी	00-03-00
	59	1(1) पैकी	00-01-80
	59	1(2) पैकी	00-03-00
	73	2 पैकी	00-02-40
	74	0 पैकी	00-02-40
	75	1ब पैकी	00-02-10
	80	1 पैकी	00-02-70
	81	2(2) पैकी	00-01-80
	82	0 पैकी	00-00-50
	89	0 पैकी	00-01-20
	83	2(1) पैकी	00-02-40
	83	1 पैकी	00-02-40
	83	2(2) पैकी	00-01-20
	88	0 पैकी	00-00-50
	87	0 पैकी	00-01-20
	86	0 पैकी	00-01-20
	131	1 पैकी	00-00-25
	132	0 पैकी	00-05-20

[सं. पी-32015/10/90-वित्त.]

S.O. 614.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3092 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Governments vests on the date of the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No/ Gat No.	Hissa No.	Area Hector-Are-Centiare
Village Bhingar	47	2 Part	00-05-50
Taluka Panvel	47	1 Part	00-02-70
District Raigad	61	0 Part	00-01-20
State Maharashtra	60	0 Part	00-03-00
	59	1(1) Part	00-01-80
	59	1(2) Part	00-03-00
	73	2 Part	00-02-40
	74	0 Part	00-02-40
	75	1B Part	00-02-10
	80	1 Part	00-02-70
	81	2(2) Part	00-01-80
	82	0 Part	00-00-50
	89	0 Part	00-01-20
	83	2(1) Part	00-02-40
	83	1 Part	00-02-40
	83	2(2) Part	00-01-20
	88	0 Part	00-00-50
	87	0 Part	00-01-20
	86	0 Part	00-01-20
	131	1 Part	00-00-25
	132	0 Part	00-05-20

[No. P-32015/10/90-Dist.]

का. आ. 615.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि मे उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मत्रालय की अधिसूचना का. आ. 3095 तारीख 1-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी, माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका, खालापूर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम मे माहुल बम्बई तक नाफता के परिवहन के लिए दो पाईप लाइन चेबर पातालगगा पाइप लाईन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भूमियो मे उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों मे उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार मे निहित होने की बजाय चेबर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई मे, सभी बाधाओं से मुक्त रूप मे, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहुल, बम्बई से कैरा ग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापूर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

ग्राम	सर्वे नं. गट सं.	हिस्सा नं.	क्षेत्र		
			हेक्टर	आर	सेन्टेयर
ग्राम—सांगडे	95	0 पैकी	00	02	40
तालुका—पनवेल	96	1 पैकी	00	02	25
जिला—रायगड	96	2 पैकी	00	02	25
राज्य—महाराष्ट्र	109	0 पैकी	00	03	60
	113	0 पैकी	00	06	00
	112	2 अ पैकी	00	03	00
	112	2 ब पैकी	00	03	00
	114	3 पैकी	00	01	20
	121	0 पैकी	05	00	25
	122	0 पैकी	00	06	90
	124	1 पैकी	00	03	00
	124	2 पैकी	00	00	25
	141	11 अ पैकी	00	01	20
	141	11 पैकी			
	125	0 पैकी	00	03	00
	126	1 पैकी	00	01	80
	127	2 पैकी	00	01	50
	128	0 पैकी	00	03	00
	141	8 पैकी	00	01	00
	141	2 पैकी	00	05	40
	141	9 पैकी	00	00	25
	129	0 पैकी	00	00	25
	130	0 पैकी	00	00	25
	132	0 पैकी	00	00	25
	131	1 पैकी	00	03	00
	131	2 पैकी	00	03	00

[सं. पी.—32015/13/90-वित्त)]

S.O. 615.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S. O. No. 3095 dated 1-11-1990 and erratum No. S. O. under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), The Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines :

And, further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kagara in Patalganga, Industrial Area, Taluka, Khalapur, District Raigad/Maharashtra State.

Village	S.No. Gat No.	Hissa No.	Area Hector-Are-Centiare
1	2	3	4
Village Sangade	95	0 Part	00-02-40
Taluka Panvel	96	1 Part	00-02-25
District Raigad	96	2 Part	00-02-25
State Maharashtra	109	0 Part	00-03-60
1	2	3	4
	113	0 Part	00-06-00
	112	2 A Part	00-03-00
	112	2 B Part	00-03-00
	114	3 Part	00-01-20
	121	0 Part	00-00-25
	122	0 Part	00-06-90
	124	1 Part	00-03-00
	124	2 Part	00-00-25
	141	11A Part	00-01-20
	141	11 Part	
	125	0 Part	00-03-00
	126	1 Part	00-01-80
	127	2 Part	00-01-50
	128	0 Part	00-03-00
	141	8 Part	00-01-00
	141	2 Part	00-05-40
	141	9 Part	00-00-25
	129	0 Part	00-00-25
	130	0 Part	00-00-25
	132	0 Part	00-00-25
	131	1 Part	00-03-00
	131	2 Part	00-03-00

[No. P-32015/13/90-Dist]

ERRATUM

S.O. 616.—Read words and figures shown in columns 1 to 9 to the schedule given below appearing in the schedule annexed to the Government of India Notification No. S-Q/3095 dated 1-11-1990 published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 17-11-1990, on pages 4071 to 4072 as "words and figures" shown in columns 10 to 18 to the schedule given below :—

SCHEDULE

S. No.	Name of the Village	Taluka	District	S.No.	Hissa No.	Gat No.		Area Are	C Are
1	2	3	4		5	6	7	8	9
1.	Sangade	Panvel	Raigad		131	0 Part	—	00 02	00

Sr. No.	Name of the village	Taluka	District	S.N.	Hissa No.	Gate No.	Area H Are	C Are
10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	Sangade	Panvel	Raigad	1323	0 Part	00	02	00

[No. P.32015/13/90-Dist]

का.आ. 617 :—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ.सं. 3098 तारीख 1-11-1990 और शुद्धिपत्र का.आ.सं. तारीख 1-11-1991 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, रिफाइनरी माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापूर, जिला रायगढ़, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम के माहुल बम्बई तक नाफ्ता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबर पातालगंगा पाइपलाइन लिमिटेड बम्बई स द्वारा बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना स संलग्न अनुसूचि में विनिर्दिष्ट भमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची मे विनिर्दिष्ट भमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4(द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपबंध का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय चेंबर पातालगंगा पइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारिख को निहित होगा।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहुल, बम्बई से फैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

ग्राम	सर्वे नं./ गट नं.	हिस्सा नं.	क्षेत्र		
			हेक्टर	आर	सेन्टेयर
ग्राम—शिवकर	79	4 पैकी	00	00	75
तालुका—पनवेल	79	3 पैकी	00	02	60
जिला—रायगड	80	0 पैकी	00	02	40
राज्य—महाराष्ट्र	81	0 पैकी	00	03	30
	87	0 पैकी	00	00	25
	90	1 पैकी	00	05	70
	89	2 पैकी	00	02	50
	89	1 पैकी	00	02	50
	93	0 पैकी	00	02	70
	95	0 पैकी	00	02	70
	95	0 पैकी	00	01	50
	95	0 पैकी	00	03	15
	148/1	2 पैकी	00	02	00
	148/1	1 पैकी	00	03	00
	183	0 पैकी	00	00	80
	190	3 पैकी	00	02	70
	191	0 पैकी	00	01	80
	193	0 पैकी	00	01	10
	194	0 पैकी	00	01	50
	195	3 पैकी	00	00	75
	195	4 पैकी	00	02	25
	211	3 पैकी	00	01	50
	211	3 पैकी	00	03	20
	211	4 पैकी	00	04	80
	210	5 अ पैकी	00	00	75
	210	3 पैकी	00	06	00
	210	1 पैकी	00	09	50
	258	1 पैकी	00	02	25
	258	1 पैकी	00	02	70
	258	1 पैकी	00	03	00
	258	2 पैकी	00	03	00
	258	2 पैकी	00	01	20
	263	0 पैकी	00	02	00
	262	0 पैकी	00	04	40
	261	0 पैकी	00	02	20

[सं. पी.—32015/16/90—विस.]

S.O. 617.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3098 dated 1-11-1990 under sub section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No./ Gat No.	Hissa No.	Area Hector-Are-Centiare
Village Shivkar	79	4 Part	00-00-75
Taluka Panvel	79	3 Part	00-02-60
District Raigad	80	0 Part	00-02-40
State Maharashtra	81	0 Part	00-03-30
	87	0 Part	00-00-25
	90	1 Part	00-05-70
	89	2 Part	00-02-50
	89	1 Part	00-02-50
	93	0 Part	00-02-70
	95	0 Part	00-02-70
	95	0 Part	00-01-50
	95	0 Part	00-03-15
	148/1	2 Part	00-02-00
	148/1	1 Part	00-03-00
	183	0 Part	00-00-80
	190	3 Part	00-02-70
	191	0 Part	00-01-80
	193	0 Part	00-01-10
	194	0 Part	00-01-50
	195	3 Part	00-00-75
	195	4 Part	00-02-25
	211	3 Part	00-01-50
	211	3 Part	00-03-20
	211	4 Part	00-04-80
	210	5A Part	00-00-75
	210	3 Part	00-06-00
	210	1 Part	00-09-50
	258	1 Part	00-02-25
	258	1 Part	00-02-70
	258	1 Part	00-03-00
	258	2 Part	00-03-00
	258	2 Part	00-01-20
	263	0 Part	00-02-00
	262	0 Part	00-04-40
	261	0 Part	00-02-20

[No. P-32015/16/90-Dist.]

शुद्धि पत्र

का.आ. 618.—निम्नलिखित अनुसूची में स्तंभ 1 से 9 में लिखे हुए शब्दों और संख्या भारत सरकार की अधिसूचना सं. का. आ. 3098 तारीख 1/11/1990 भारत का राजपत्र भाग-3, खण्ड 2, उपखण्ड (ii) 17 नवम्बर 1990 पृष्ठ 4974 से 4975 के प्रसारित हुए अधिसूचना की अनुसूची में छपे हैं। इसके बजाय निम्नलिखित अनुसूची स्तंभ 10 से 17 में लिखे हुए शब्दों और संख्या पढ़ना।

प्रसारित किया गया वर्णन								
अ. नं	ग्राम	तालुका	जिला	सं.नं	डि.नं	गट नं.	क्षेत्र हे-आर-सेन्टीयर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	शिवकर	पनवेल	रायगड	148/2	1 पैकी—	00	10	50
				210	5 पैकी	00	02	00

प्रसारित होने का वर्णन								
अं. नं.	ग्राम	तालुका	जिला	सं. नं	डि. नं.	गट नं.	क्षेत्र हे-आर-सेन्टीयर	
10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	शिवकर	पनवेल	रायगड	146/1	1 पैकी	00	10	50
				210	5-आ पैकी	00	02	00

[सं. पी-32015/16/90-वित्त]

का. आ 619.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3900 तारीख 1/11/1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी, माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहुल बम्बई तक नाफ्ता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहुल, बम्बई से कैराग्राम तक पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए।

ग्राम	सर्वे सं./ गट नं.	हिस्सा नं.	क्षेत्र		
			हेक्टर	आर	सेन्टेयर
ग्राम--वेवद	101	0 पैकी	00	02	00
तालुका--पनवेल	102	0 पैकी	00	02	20
जिला--रायगड	70	0 पैकी	00	06	30
राज्य--महाराष्ट्र	75	0 पैकी	00	02	25
	69	3 पैकी	00	09	90
	69	4 पैकी	00	01	00
	69	7 पैकी	00	01	00
	68	0 पैकी	00	02	40

[सं. पी-32015/18/90-वित्त.]

S.O. 619.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3100 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kalra in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No./ Gat No.	Bissa No.	Area Hector—Are—Centiare
Devad Taluka	101	0 Part	00-02-00
Panvel District	102	0 Part	00-02-20
Raigad State	70	0 Part	00-06-30
Maharashtra.	75	0 Part	00-02-25
	69	3 Part	00-09-90
	69	4 Part	00-01-00
	69	7 Part	00-01-00
	68	0 Part	00-02-40

[No. P-32015/18/90-Dist.]

का. आ. 620.—यत: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3902 तारीख 1-11-1990 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का महाराष्ट्र राज्य में भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड रिफायनरी, माहुल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा औद्योगिक क्षेत्र, तालुक खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहुल बम्बई तक नाफ्ता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइप लाइन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहुल, बम्बई से कैरा ग्राम तक पातालगंगा तक औद्योगिक क्षेत्र, तालुका खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

ग्राम	सर्वे नं.	हिस्सा नं. गट नं.	क्षेत्र		
			हेक्टर	आर	सेन्टेयर
शिलोत्तर रायचूर,	12अ	1 पैकी	00	01	20
तालुका—पनवेल,	24	0 पैकी	00	03	00
जिला—रायगड	32	0 पैकी	00	01	90
राज्य—महाराष्ट्र	31	1 पैकी	00	00	25
	31	2 पैकी	00	00	25
	35	0 पैकी	00	02	40
	36	1 पैकी	00	01	80
	36	2 पैकी	00	01	50
	38	0 पैकी	00	03	00
	1	2 पैकी	00	03	00
	42	1 अ पैकी	00	03	00
	44	0 पैकी	90	00	25
	42	2 पैकी	00	05	50
	42	3 पैकी	00	01	50
	45	1(2) पैकी	00	01	80
	45	14 पैकी	00	00	25
	45	2अ पैकी	00	03	30
	45	18	00	09	00

[स. पी.-32015/20/90-विस]

S.O. 620.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3102 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on the date of

the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kalra in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No./ Gat No.	Hissa No.	Area Hector—Are—Centiare
Shilottar-Raichur	12-A	1 Part	00-01-20
Taluka Panvel	24	0 Part	00-03-00
District Raigad	32	0 Part	00-01-90
State Maharashtra.	31	1 Part	00-00-25
	31	2 Part	00-00-25
	35	0 Part	00-02-40
	36	1 Part	00-01-80
	36	2 Part	00-01-50
	38	0 Part	00-03-00
	1	2 Part	00-03-00
	42	1A Part	00-03-00
	44	0 Part	00-00-25
	42	2 Part	00-05-50
	42	3 Part	00-01-50
	45	1(2) Part	00-01-80
	45	14 Part	00-00-25
	45	2A Part	00-03-30
	45	18 Part	00-09-00

[No. P-32015/20/90-Dist.]

का. ग्रा. 621—यत पेट्रोलियम ग्रौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का ग्रर्जन) ग्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम ग्रौर प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ग्रधिसूचना का. ग्रा सं. 3903 तारीख 1-11-1990 ग्रौर शुद्धिपत्र का ग्रा सं. तारीख 91 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची मे निर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग के ग्रधिकार को महाराष्ट्र राज्य मे भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, रिफायनरी, माहूल बम्बई से कैरा ग्राम तक (पातालगंगा ग्रौद्योगिक क्षेत्र, तालुक खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र) तथा कैरा ग्राम से माहूल बम्बई तक नाफ्ता के परिवहन के लिए दो पाइप लाइन चेंबूर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड बम्बई द्वारा बिछाने के लिए ग्रर्जित करने का ग्रपना ग्राशय घोषित कर दिया था ।

ग्रौर यत: सक्षम प्राधिकारी ने उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

ग्रौर ग्रागे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का ग्रधिकार ग्रर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

ग्रब, ग्रत: उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस ग्रधिसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों मे उपयोग का ग्रधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा ग्रर्जित किया जाता है ।

ग्रौर ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों मे उपयोग का ग्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए चेंबर पातालगंगा पाइपलाइन्स लिमिटेड, बम्बई में, सभी बाधाग्रो से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

ग्रनुसूची

भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, माहुल, बम्बई से कैरा ग्राम तक पातालगंगा ग्रौद्योगिक क्षेत्र, तालुक खालापुर, जिला रायगड, राज्य महाराष्ट्र पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

ग्राम	सर्वे नं., गट नं	हिस्सा नं.	क्षेत्र		
			हेक्टर	ग्रार	सेन्टेयर
पाली—देवद	37	1 पैकी	00	04	20
तालुका—पनवेल	31	0 पैकी	00	04	60
जिला—रायगड	28	2 पैकी	00	06	00
राज्य—महाराष्ट्र	29	0 पैकी	00	00	30
	22	2 पैकी	00	02	40
	26	0 पैकी	00	01	70
	25	1 पैकी	00	00	50
	24	1 पैकी	00	01	00
	21-ग्र	7-ग्र पैकी	00	00	50
	23	0 पैकी	00	01	20

[सं. पी.-32015/21/90-वित]

S.O. 621.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3103 dated 1-11-1990 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipe lines for the transport of Naphtha/its return stream from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Limited, Mahul Bombay to Village Kaira in Patalganga Industrial Area, Taluka Khalapur, District Raigad in the Maharashtra State to the Chembur Patalganga Pipelines Limited, Bombay;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted a report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Chembur Patalganga Pipelines Limited free from all encumbrances.

Pipelines from Refinery of Bharat Petroleum Corporation Ltd., Mahul, Bombay to Village Kalra in Patalganga Industrial Area, Taluk Khalapur, District Raigad in Maharashtra State.

Village	S. No./ G at No.	Hissa No.	Area Hector-Are-Centiare
Pali-Devad	37	1 Part	00-04-20
Taluka Panvel District Raigad	31	0 Part	00-04-60

(1)	( )	(3)	(4) (5)
State Maharashtra	28	2 Part	00-06-00
	29	0Part	00-00-30
	22	2Part	00-02-40
	26	0 Part	00-01-70
	25	1Part	00-00-50
	24	1Part	00-01-00
	21A	7 B Part	00-00-50
	23	0 Part	00-01-20

[No. P-32015/21/90-Dist.]
SAHADEO RAM, Under Secy.

शुद्धिपत्र

का.आ. 622.—निम्नलिखित अनुसूची में खाना 1 से 9 में लिखे हुए शब्दों और संख्या भारत सरकार की अधिसूचना सं. का.आ. 3103 तारीख 1/11/1990 भारत का राजपत्र भाग-2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) 17 नवम्बर 1990 पृष्ठ 4979 से प्रकाशित हुए अधिसूचना की अनुसूची में छपे हैं। इसके बजह निम्नलिखित अनुसूची खाना 10 से 18 में लिखे हुए शब्दों और संख्या पढ़ा जाय।

प्रकाशित किया गया वर्णन

क्र. नं.	ग्राम	तालुका	जिला	स. नं.	हि. नं.	गट न	क्षेत्र	हे-आर-सेंटीयर
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	पालीदेवद	पनवेल	रायगढ	33	0	पैकी	00	25

प्रकाशित होने का वर्णन

क्र. न.	ग्राम	तालुका	जिला	स. न.	हि. नं.	गट न.	क्षेत्र	हे-आर-सेंटीयर
10	11	12	13	14	15	16	17	18
1.	पालोदेवद	पयवेल	रायगढ	23	0 पैकी	00	20	25

[सं. पी-32015/21/90-वि.ह.]
सहदेव राम, अवर सचिव

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1991

का. आ. 623.—चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 और 8 तथा चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं इस मंत्रालय के दिनांक 1 अगस्त, 1990 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के कलकत्ता सलाहकार पैनल में सुश्री मधु नेवतिया को तत्काल प्रभाव से अगले आदेशों तक, सदस्य के रूप में नियुक्ति करती है।

[फा. सं. 814/5/90—एफ(सी)]

एस. लक्ष्मीनारायणन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 12th February, 1991

S.O.623.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules 1983 and in continuation of Notification of even number dated 1st August, 1990, the Central Govt. is pleased to appoint Ms Madhu Neotia, as member of the Calcutta Advisory Panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect and until further orders.

[File No. 814/5/90-F(C)]
S. LAKSHMI NARAYANAN, Jt. Secy.

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1991

का. आ. 624.—राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 64) की धारा 5 और धारा 7 के उप खंड (i) के साथ पठित धारा 3 के उप-खंड 3 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 12 अक्तूबर, 1990 से वर्तमान नियमों और शर्तों पर तीन वर्ष की अवधि के लिए अनुसूची "ख" 8500-200-9500 रुपए के वेतनमान में (संशोधित) राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में श्री एम. के. गणेशन को पूर्ण कालिक सदस्य (वित्त) के रूप में पुनः नियुक्ति करती है।

[फा. संख्या एवी 11015/3/90—एन ए ए(वीबी)]
एस. कुजूर, उप सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th February, 1991

S.O. 624.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section 3(c) of Section (3) read with Sub-Section (1) of Section 5 and Section 7 of the National Airports Authority Act, 1985 (64 of 1985) the Central Government hereby re-appoints Shri M. K. Ganesan as whole-time Member (Finance) in the National Airports Authority in Schedule 'B' scale of pay of Rs. 8500-200-9500 (Revised) for a period of three years on the existing terms and conditions with effect from the 12th of October, 1990.

[F. No. AV. 11015/3/90-NAA(VB)]
S. KUJUR, Dy. Secy.

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1991

का. आ. 625 यत: केन्द्र सरकार की राय है कि मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) (जिसे इसके बाद उक्त अधिनियम कहा गया है) के अध्याय IV के तहत पंजीकरण के उद्देश्य से, मोटर यान नियमावली 1989 (जिसे इसके बाद उक्त नियम कहा गया है) के नियम 93 के उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट चौड़ाई के आयामों से अधिक चौड़े आयामों की इस आदेश के साथ संलग्न तालिका में दिए गए भारी माल वाहक वाहनों के लिए अनुमति दी जाए।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 110 की उपधारा (3) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त भारी माल वाहक वाहनों को अधिकतम 3.3 मीटर की चौड़ाई तक उक्त नियमों के नियम 93 के उप नियम (1) के प्रावधानों से छूट देती है जो इस आदेश के अनुबंध में उल्लिखित शर्तों के अध्यधीन है।

[आर टी. 11042/4/90-टी.ए. जी]
पी. विजयन, निदेशक

अनुबंध

रिंकू कामर्शियल कैरियर्ज प्रा. लि फरीदाबाद के साथ संबद्ध भारी माल वाहक वाहनों के संबंध में छूट की शर्तें

(I) इस अधिसूचना के माध्यम से समग्र चौड़ाई के लिये दी जा रही छूट केवल वाहनों के पंजीकरण के लिए है जबकि इन बड़े आकार के वाहनों के आवागमन के लिए विशिष्ट परमिट ट्रांसपोर्टरों द्वारा संबंधित राज्य सरकारों/लोक निर्माण विभागों से प्राप्त करने होंगे।

(II) इन वाहनों का प्रयोग केवल ट्रैक्टरों/कारों के परिवहन के लिए किया जाएगा।

(III) उक्त वाहन यातायात के सामान्य प्रवाह में कोई बाधा उत्पन्न किए बगैर चलाए जाएंगे।

(IV) ये वाहन केवल दिन के समय सड़क पर चलेंगे, क्योंकि अन्य वाहनों के लिए बहुलेन यातायात स्थितियों में इनको लांघना बहुत कठिन होगा।

(V) वाहन के छोरों को स्पष्ट रूप से दर्शाने के लिए सभी चेतावनी संकेत जैसे लाल झंडी इत्यादि की व्यवस्था की जाएगी।

(VI) ऐसी स्पेशल ट्रिपों के लिए गति 16 कि. मी. प्रति घंटा से अधिक नहीं होगी।

(VII) इन बड़े आकार के वाहनों के आवागमन से पूर्व, ट्रांसपोर्टरों द्वारा रूट का सर्वेक्षण करके विशेष रूप से भवन निर्मित क्षेत्रों में मोड़ों पर बचकर निकलने की व्यवहार्यता सड़क की पर्याप्त चौड़ाई और ऊंचाई के लिये खुले स्थान का निर्णय कर लेना चाहिए ताकि यदि कोई कमी हो तो उस का पता लगाया जा सके। यात्रा मार्ग के साथ सड़क नेटवर्क में अगर किसी सुधार की आवश्यकता हो तो यह ट्रांसपोर्टरों द्वारा यात्रा शुरु करने से पूर्व अपनी लागत पर कराना होगा।

(VIII) इन वाहनों को चलाए जाने के कारण सड़क अथवा सड़क संरचनाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हुई कोई क्षति संबंधित लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए मूल्यांकन के अनुसार पूर्ण रूप से परिवाहकों द्वारा वहन की जाएगी।

(IX) परिवहन के दौरान उक्त वाहनों अथवा उन पर लादे हुए माल से हुई किसी हानि के लिए राज्य सरकारों/लोक विभाग उत्तरदायी नहीं होंगे।

(X) यह अनुमति प्रदान करने से राज्य लोक निर्माण विभाग/स्थानीय निकायों के अधिकारियों पर परिस्थितियों की अत्यावश्यकताओं के अनुसार और सड़क तथा सड़क संरचनाओं की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इन वाहनों के परिवहन को विनियमित करने अथवा रोकने के संबंध में कोई पाबंदी नहीं है।

अधिसूचना, दिनांक में उल्लिखित तालिका

क्रम सं	वाहन संख्या	वाहन का स्वामी
(1)	(2)	(3)
1	जी. टी. जे 5866	रिंकू कामर्शियल कैरियर्ज
2.	जी टी. जे 5972	—वही—
3.	जी. टी. जे. 5973	—वही—
4.	जी. टी. जे. 6076	—वही—
5	एच. वाई. यू. 8267	—वही—
6	जी. टी. जे 6115	—वही—
7.	एच वाई. यू 2050	—वही—
8	जी जे-07 टी-6106	रिंकू कामर्शियल कैरियर प्रा. लि.
9	एच एन. यू. 8061	राजेश कैरियर कम्पनी प्रा. लि.
10.	एच. आर पी. 9050	—वही—
11.	जी. जे. 07-टी—6031	—वही—
12	जी टी. जी. 3909	श्री प्रहलादराय मदनगोपाल अग्रवाल
13	जी. जे-07 टी. 5553	—वही—
14	जी टी. के. 5899	श्री रामनिवास मदनगोपाल अग्रवाल
15	जी जे. -07 टी-5721	—वही—
16	जी. टी. जे. 5009	श्री मदनगोपाल देवीचन्द अग्रवाल
17.	जी. आर. क्यू 5309	श्रीमती पुष्पा रामनिवास अग्रवाल
18.	जी. आर. क्यू 5369	श्रीमती सुमित्रा प्रहलादराय अग्रवाल
19.	एच. वाई. डब्ल्यू. 2213	श्रीमती रेनू आर गुप्ता
20.	जी. जे-02 टी-5697	स्टारलाइन ट्रैक्टर्स सेल्स एंड सर्विस
21.	जी. टी जे. 5253	श्री गणेश राम जिंदल
22.	जी जे -01 टी -6506	श्री कांतिभाई सामभाई पटेल
23.	जी. टी. जे. 5409	श्री के एम जिंदल
24	एच. वाई यू 923	श्री पी सी कोहली एंड डी आर शर्मा
25.	जी. बी. क्यू. 6256	गुरचन्द सिंह गुरबचन सिंह
26	जी. आर. टी. 4445	सतनाम सिंह गुरबचन सिंह
27	जी आर. टी. 6049	—वही—
28	जी. जे -06 टी 3624	—वही—

1	2	3
29.	जी क्यू जी 6140	प्रीतम सिंह साता सिंह
30.	जी जे-06 टी 4485	—वही—
31.	पी बी. 10-डी 9695	के. के. पाल्टा, एग्रो सेल्स ट्रैडर प्रा. लि. लुधियाना
32.	पी बी 10—डी 9694	जे. डी. गांधी, पंचकुला, हरियाणा

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Transport Wing)

ORDER

New Delhi, the 14th February, 1991

S.O. 625.—Whereas the Central Government is of the opinion that for the purpose of registration under Chapter IV of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) (hereinafter referred to as the said Act), dimensions, in excess of dimensions relating to width prescribed in sub-rule (1) of Rule 93 of the Motor Vehicle Rules, 1989 (hereinafter referred to as the said Rule) should be permitted for the heavy goods vehicles given in the Table annexed to this Order.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Clause (a) of sub-section (3) of Section 110 of the said Act, the Central Government hereby exempts the said heavy goods vehicles from the provisions of sub-rule (1) of Rule 93 of the said rules upto a maximum width of 3.3 metres, subject further to the conditions as mentioned in the Annexure to this order.

[RT-11042/4/90-TAG]
P. VIJAYAN, Director

ANNEXURE

Conditions of Relaxation in Respect of Heavy Goods Vehicles attached with Rinku Commercial Carrier Pvt. Ltd., Faridabad

(i) Relaxation in overall width being accorded through this notification is only for registration of the vehicles, while specific permits for movement of these overdimensional vehicles will have to be obtained by the transporters from the respective State Govts. PWDs.

(ii) These vehicles shall be used only for the purpose of transportation of tractors/cars.

(iii) The said vehicles shall be moved without any hindrance to the normal flow of traffic.

(iv) These vehicles shall ply on the road during day time only, since it will be very difficult for the other vehicles to negotiate in the multilane traffic conditions.

(v) All necessary warning signals such as red flags etc. shall be provided to indicate the extremities of the vehicle clearly.

(vi) For such special trips, the speeds shall not exceed 16 km/hour.

(vii) The feasibility of negotiating the curves especially in built up areas, sufficiency of road width and vertical clearance should be decided upon, prior to the movement of these overdimensional vehicles through a route survey by the transporters so as to identify dificiencies if any. Any needed improvement of the road network along the travel route will have to be got done by the transporters before undertaking such movement at their own cost.

(viii) Any damage to the road and road structures, either directly or indirectly due to the movement of these vehicles, shall be borne wholly by the transporters as per the assessment by the concerned State PWD.

(ix) The State Govts./PWDs shall not be responsible for any damages that may be sustained either by the said vehicles their contents during the transit.

(x) The grant of this permission does not prevent the local officers of the State PWDs/Local Bodies from regulating or stopping the movement of these vehicles depending upon the exigencies of the situation and having regard to the condition of the road and road structures.

TABLE REFERRED TO IN THE NOTIFICATION DT.

S. No.	Vehicle Nos.	Owner of the Vehicle
1.	GTJ 5866	Rinku Commercial Carriers
2.	GTJ 5972	—do—
3.	GTJ 5973	—do—
4.	GTJ 6076	—do—
5.	HYU 8267	—do—
6.	GTJ 6115	—do—
7.	HYU 2050	—do—
8.	GJ-07 T-6106	Rinku Commercial Carrier Pvt. Ltd.
9.	HNU 8061	Rajesh Carrier Company Pvt. Ltd.
10.	HRP 9050	—do—
11.	GJ-07 T-6031	—do—
12.	GTG 3909	Shri Prahladraj Madangopal Agarwal
13.	GJ-07 T-5553	—do—
14.	GTK 5899	Shri Ramniwas Madangopal Agarwal
15.	GJ-07 T-5721	—do
16.	GTJ 5009	Shri Madangopal Devichand Agarwal
17.	GRQ 5309	Smt. Pushpa Ramniwas Agarwal
18.	GRQ 5369	Smt. Sumitra Prahladrai Agarwal
19.	HYW 2243	Smt. Renu R. Gupta
20.	GJ-02-T-5697	Starline Tractors Sales & Service
21.	GTJ 5353	Shri Ganesh Ram Jindal
22.	GJ-01 T-6506	Shri Kantibhai Sanabhai Patel
23.	GTJ 5409	Shri K M. Jindal
24.	HYU 923	Shri P.C. Kohli & D.R. Sharma
25.	GBQ 6256	Gurcharand Singh Gurubacchan Singh
26	GRT 4445	Sutnam Singh Gurubacchan Singh
27.	GRT 6049	—do—
28.	GJ-06 T-3624	—do—
29.	GQG 6140	Pritam Singh Shanta Singh
30.	GJ-06 T-4485	—do—
31.	PB 10-D 9695	K.K. Palta, Agro Sales Trader Pvt. Ltd., Ludhiana
32.	P.B. 10-D 9694	J.D. Gandhi, Panchkula, Haryana.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1991

का. आ. 626 —औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-2-91 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 2nd February, 1991

S.O. 626.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 1-2-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI N. A. CHAUHAN, PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 31 of 1988

ADJUDICATION

BETWEEN

Central Bank of India, Ahmedabad First Party

AND

Central Bank Employees' Union, C/o Central Bank of India, Near Roopalee Cinema, Lal Darwaja, Ahmedabad. ..Second Party

Protecting the pay of Shr P. H. Pandit which he was drawing in Air Force.

APPEARANCES :

Shri P. S. Chari, Advocate—for the First Party.
Shri V. Premchand, Advocate—for the Second Party.

AWARD

This industrial dispute between Cenrtal Bank of India, Ahmedabad and Central Bank Employees' Union, Ahmedabad has been referred to me for adjudication to the Industrial Tribunal (Central), Ahmedabad under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government Order, Ministry of Labour's No. L-12012/195/88-D2(A) dated 2nd November, 1988.

2. The dispute relates to a single demand mentioned below :—

"Whether the action of the management of Centrat Bank of India in not protecting the pay of Shri P. H. Pandit that he was drawing at the time of leaving the service of Air Force is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

3. The facts of the case are that Shri P. H. Pandit (hereinafter referred to as 'the concerned employee') was employed by the first party Bank in February, 1973 as a Clerk in the grade of Rs. 170-550 with usual allowances. In May, 1981, at the instance of the Central Government a decision was taken by the Nationalised Bank to protect the basic pay and dearness allowance of ex-servicemen employed by the Bank after retirement or retrenchment from service. The concerned employee was employed in the Air Force, before his employment in the first party Bank. He, therefore, represented that he should be given benefit of this decision. As per this decision basic pay and dearness allowance was required to be protected. The concerned employee was, therefore, called upon to produce necessary evidence about his basic pay and dearness allowance the time of retirement in the Air Force. Unfortunately, he was not able to produce that evidence as the Air Force office in which he was working had destroyed the record. He was only able to produce documentary evidence that when he retired his gross salary was Rs. 450 but he was not able to produce the bifurcation thereof. Hence he was not given benefit of that resolution of protecting the basic pay and dearness allowance of ex-serviceman. He has, therefore, raised this dispute through the Union.

4. The Union of the concerned employee has filed a statement of claim Fx. 5 wherein it is mentioned that Mr. Pandit was drawing the gross salary of Rs. 450 per month when he retired from the Air Force. It has also been mentioned that he joinded the Air Force in 1960 and that he was discharged from Air Force in April, 1970. It has been also mentioned that he has made all efforts to obtain the break up but he has not been able to get the same and, therefore, his gross pay is required to be protected by the Bank because that resolution is for giving benefit to the ex-servicemen. Therefore, when he joined the ank, his basic pay should be fixed so that he would get the gross salary of Rs. 450 in February, 1973.

5. The first party Bank has filed written statement Ex. 7 and resisted the claim, inter alia, contending that they do not admit that Mr. Pandit was an ex-serviceman and that he is estopped from claiming more salary than what was offered to him at the time of appointment. It has been alternately contended that Shri Pandit had not furnished the neecssary evidence and, therefore, the Bank cannot be blamed for not giving the benefit to Mr. Pandit. It has been also contended that this is not an industrial dispute but dividual dispute and that the claim deserves to be dismissed as it has been belatedly filed.

6. Before we deal with the rival cotentions, it is necessary to mentioned the facts which are not in dispute. It is not in dispute now that Mr. Pandit was an ex-serviceman and he has rendered service in the Air Force from 1960 to April, 1970. Before this Tribunal Shri Pandit has produced the Sheet Roll vide list Ex. 14 which shows that at the time of retirement Shri Pandit was getting basic salary of Rs. 180 per month and he was also getting Rs. 10 as good conduct allowance. It is also not in dispute that when he retired his gross salary was Rs. 450 which is revealed from the discharge certificate, the duplicate copy of which is produced at Ex. 16 It is also not in dispute that the Bank issued a office circular dated 20th May, 1981, the copy of which is produced at Ex. 10/2 wherein it is specifically mentioned that ex-servicemen employed in the Bank are to be given protection of their basic pay and dearness allowance at the time of recruitment in the Bank. The relevant provision is in clause 3, 4 and 5 which reads as under :—

3. The Basic Pay and Deaness Allowance which an ex-servicemen drew in the armed forces at the time of retirement/retrenchment would be protected at the time of his appointment in the scale of pay in Bank's service in which he is absorbed. He would be fitted at the minimum of the scale or at that level where the new Basic Pay and Dearness Allowance corresponds to the Basic Pay and Dearness Allowance last drawn in the armed forces.

4. Though the fixation will be done as described in para 3 above, from the date of appointment, the same would be given effect to only from 1-4-1980. For those who are appointed after 1-4-1980, the effect of such fixation will be from the date of appointment.

5. All Divisional and Regional Offices are requested to verify the salary drawn by Ex-Servicemen employed in the Bank at the time of their retirement/ retrenchment from the armed forces and revise their salary if there is any short-fall in the Basic Pay and Dearness Allowance allowed to them on the date of their appointment in the Bank in respective scale of pay as described in para 5 above. For the guidance of all, we are giving below an example of such revision."

7. Thus it is not in dispute that as per this circular the basic pay and allowance of Mr. Pandit was required to be fixed since appointment in February in 1973 and his pay at the time of appointment was to be fixed so as to be not less than the basic apy and dearness allowance drawn by him at the time of discharge from the Air Force. Having fixed the basic pay and dearness allowance accordingly Mr. Pandit as well as the other ex-servicemen were only entitled to the difference of pay from 1st April, 1980 and not for a period prior to that. Admittedly, the Bank has not given the benefit of this circular to Mr. Pandit as Mr. Pandit was not in a position to produce the break up of his gross salary at the time of his retirement from Air Force. Before this Tribunal he has been able to produce the sheet rolls which reveals that his basic pay was Rs. 180 since October, 1968. Mr. Pandit has deposed that that was the maximum in the grade. He has further deposed that he was getting Rs. 10 as good conduct allowance and, therefore, when he retired, his basic pay was Rs. 180 + 10 i.e. Rs. 190 per month. This is also revealed from the Sheet Roll which is produced vide

Ex. 14. Thus before this Tribunal Mr. Pandit has been able to establish atleast that his basic pay was Rs. 190 when he retired from the Air Force.

8. As per the circular Mr. Pandit being an ex-serviceman his basic pay and dearness allowance at the time of retirement from Air Force was required to be protected since his appointment in 1973. The first party Bank has not given the benefit of this circular to Mr. Pandit. There took a correspondence between Mr. Pandit and his Branch Manager and vice versa the Branch Manager and the Regional Office as to what should be done in case of Mr. Pandit. Vide letter dated 14th December, 1982, the Regional Office informed the Branch Manager to revise the emoluments of Mr. Pandit on the basis of pay roll sheet of Mr. Pandit but in the discharge certificate no details of the basic pay and dearness allowance was available and, therefore, the Branch Manager wherein Mr. Pandit was working has not revised the emoluments of Mr. Pandit and has not given him the benefit of the revised pay from April, 1980. Now that Mr. Pandit has been able to produce evidence to show that his basic pay was Rs. 190 per month, it is just and fair to revise his basic pay at the time of his appointment in February, 1978 atleast at Rs. 190 per month.

9. It has been contended in the written statement that this is not the industrial dispute but an individual dispute but it is pertinent to note that this dispute has been raised by the Union representing the employees of the Bank concerned and, therefore, it becomes an industrial dispute and not an individual dispute. This position has been fairly conceded by Shri Chari and, therefore, it requires to be held that the reference is maintainable as the dispute referred is an industrial dispute.

10. It has been also contended that the reference is made very late and, therefore, it requires to be rejectd. It is true that the reference is made in the year 1988 but Mr. Pandit is agitating for gettnig benefit and he has written letters in the year 1982 as well as in the year 1986, therefore, it cannot be said that the dispute raised is a belated one. I, therefore, do not think that the claim requires to be rejected on the ground of delay as there was genuine reason for the delay.

11. It has been contended by Shri V. Premchand that the total emolument of Rs. 450 is required to be protected but I do not find any merits therein. As per the circular referred earlier, the basic pay and dearness allowance is required to be protected. Therefore, the basic pay and dearness allowance out of the gross salary of Rs. 450 is required to be protected and not the entire gross salary of Rs. 450. Shri Chari has been fair to concede that now that Mr. Pandit has been able to produce cogent evidence to show that his basic pay was Rs. 190 at the time of retirement from the Army that requires to be protected and his emoluments at the time of appointment in February, 1973 requires to be fixed on that basis. On that basis his basic pay would become Rs. 190. He would on that basis be entitled to dearness allowance etc. In the result, the following order is required to be passed in this reference.

ORDER

In view of the office circular dated 28th May, 1981 the basic pay of Mr. Pandit is required to be revised at Rs 190 per monht. His other allowance should be fixed on the basis of this basic pay. The Bank on the basis of this basic pay in 1973 should work out the basic pay dearness allowance and other allowances admissible to Mr. Pandit from April, 1980 and onwards and should pay the difference thereof to Mr. Pandit as early as possible and not later than 3 months from the publication of this Award. It need not be mentioned that Shri Pandit would be entitled to the difference on the basis of this reflxation even for the contribution of the provident fund since April, 1980. Considering the peculiar facts the parties are directed to bear their own costs.

Ahmedabad.

Dated : 21st January, 1991.

N. A. CHAUHAN, Presiding Officer

[No. L-12012/195/88-D.II(A)]

का. आ 627—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल इंश्योरेंस कम्पनी लि. के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-1-91 को प्राप्त हुआ था।

S O 627.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute, Act, 147 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the National Insurance Company Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on 31-1-91.

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M. P.)

Case No. CGIT/LC(R)(70)/1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of National Insurance Company Limited, Firdos chambers, Wardha Road, Nagpur-440012 and their workman Shri Babarao Pundlikrao Bhagat at Post Kajleshwar, Waq Karanja (Lad) Distt. Akola (M. S.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

For Management.—Shri S. R. Pathak, Advocate.

INDUSTRY : Insurance. DISTRICT : Nagpur (M.S.).

AWARD

Dated, January 15th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-17012/77/85-D.IV(A) dated 22-8-1986, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of National Insurance Company Limited, in terminating the service of Shri Babarao Pundlikrao Bhagat, Substaff, City Branch-II, Nagpur w.e.f. 13-7-1985 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. The aforementioned reference was registered in this Tribunal on 29-8-1986. Thereafter parties were noticed to file their respective claims. Parties took long time to file their pleadings and documents. When the case was at the stage of recording evidence, Shri Pathak, Counsel for management, stated on 8-1-1991 that a settlement in the case is likely to be arrived at. Therefore the case was adjourned to 11-1-1991 for filing of settlement failing which for evidence of parties. On 11-1-1991 none appeared on behalf of the management and therefore neither the settlement was filed nor the evidence could be recorded in the absence of the management in the first hour of the Court. But later on Counsel for both the parties appeared, filed the settlement and verified the same. The terms of the settlement duly arrived at between the parties are as under :—

1. That both the parties are agreed to settle this dispute between themselves.

2. That respondent no. 2, Employer agreed to take the employee/applicant in service within one month.

3. That the employee/applicant is given fresh appointment within one month.

4 That the applicant agreed not to make any claims for the past service.

5. Agreed that this is a full and final settlement of the dispute.

Parties have prayed that an award be recorded in terms of the aforementioned settlement.

3. I have gone through the terms of settlement. They are just and reasonable. I therefore record my award in terms of the settlement quoted above and pass no order as to costs.

15-1-1991.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-17012/77/85-D.IV(A)]
V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1991

का. आ. 628.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण मे केन्द्रीय सरकार मैसर्स सी.सी. लि की कारगली कोलयरी के प्रबन्धतन्त्र से सबद्ध नियोजको और उनके कर्मकारो के बीच अनुबंध मे निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद मे केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (स-1) धनबाद के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-2-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th February, 1991

S.O. 628.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kargali Colliery of M|s. C.C. Ltd., and their workmen which was received by the Central Government on the 1-2-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 165 of 1990.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Karo Seam Incline of Kargali Colliery of M|s. C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen.—None.

STATE : Bihar. INDUSTRY : Coal.

Dated, the 22nd January, 1991

AWARD

By Order No. L-20012|162|89-I.R. (Coal-I), dated, the 11th July, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Karo Seam Incline of Kargali Colliery, P. O. Bermo, Distt Giridih by not re-instating the services of Shri Ghura Mian w.e.f. 10-11-87 and onwards and not making payment of back wages to him alongwith all other benefits as per NCWA-III is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The order of reference for adiudication of the industrial dispute was received in the office of this Tribunal on 16-7-1990 and the same was registered as Reference No. 165 of 1990. Since the party raising the dispute, General Secretary, Coalfields Labour Union, P O. Bermo, Distt. Giridih, did not appear, notice was issued directing him to appear and file statement of claim and supportive documents on 22-11-90. At the same time notice was issued to the employer as well. In response to the notice issued, the management of Kargali Colliery of M|s. C.C. Ltd., appeared through its Advocate, Shri R. S. Murthy, but the General Secretary of the sponsoring union did not. In the circumstances, notice was again issued to the General Secretary, Coalfield Labour Union, P. O. Bermo, Distt. Giridih, to show cause by 7-1-91 as to why the case shall not be disposed of according to law. The General Secretary, this time also, did not appear nor did he take any step. Hence, I have reason to believe that the party raising the dispute is not interested in pursuing the matter.

3. Accordingly, I am constrained to pass a 'no dispute' award in this case.

This is my award.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-20012/162/89-IR(C-I)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1991

का. आ. 629.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार चनाकुरी न. 3 पिट्स कोलियरी मैं. ई.सि.लि. के प्रबन्धतन्त्र से संबद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद मे केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण आसनसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 5-2-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th February, 1991

S.O. 629.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Asansol as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Chinakuri No. 3 Pits Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-2-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL ASANSOL

Reference No. 44/89

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Chinakuri 3 Pits Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd.

AND

Their workman

APPEARANCES :

For the Employers—Shri P. K. Das, Advocate.

For the Workman—Shri Sanjib Banerjee, Asstt. Secretary of Union

INDUSTRY : Coal. STATE : West Bengal.

Dated, the 24th January, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(98)/89-IR(C.II) dated the 28th September, 1989.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Chinakuri 3 Pits Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., P.O. Sunderchak, Dist. Burdwan in not regularising Sri Arjun Mahato as Clerk on the post on which he has been working since 1980, is justified? If not, to what relief he is entitled?"

2. The case is fixed for hearing to-day (24-1-91). It appears that the union is not taking proper interest in conducting the case. As such it appears to me that the union is not interested to proceed with the case.

3. In the circumstances I have no other alternative but to pass a no-dispute award in this case. Accordingly a no dispute award is passed.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012/98/89-IR(C-II)]

का. आ. 630.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कनुस्टोरिया कोलियरी आफ मै. ई. सि. लि. के प्रबन्धसंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण आसनसोल के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5-2-91 को प्राप्त हुआ था ।

S.O. 630.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Asansol as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kunustoria Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd, and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-2-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 38/89

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kunustoria Colliery of M/s. E. C. Ltd.

AND

Their workman

APPEARANCES :

For the Employers—Sri P. Banerjee, Advocate
For the Workman—Sri Manoj Mukherjee, Advocate.

INDUSTRY : Coal. STATE : West Bengal.

Dated, the 25th January, 1991

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them by Clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(15)/89-IR(C-II) dated the 21st July, 1989.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Kunustoria Colliery of M/s. E. C. Ltd., in denying pay protection to Sri Harilal Kahar, Underground Loader w.e.f. May 1986, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The case of the union in brief is that the concerned workman Sri Harilal Kahar was an underground loader at Kunustoria Colliery. The said workman met with an accident in 1983 while he was on duty. During the period of his disablement resulting due to said accident he was not given the benefits under Pt. 10.3.1 of National Coal Wage Agreement (N.C.W.A.) from the date of the said accident i.e. he was not paid the wages which he was earning before the accident. Under compelling circumstances the workman accepted the wages less than the amount which he was entitled to get. That according to the provisions of N.C.W.A. II and III the workman is entitled to receive by way of compensation the last pay drawn immediately before the employee met with the accident. Furthermore the workman has been declared fit but after medical assessment he has been given alternative employment with light duty. His basic wage should be protected according to the provisions of the N.C.W.A.

The union raised a dispute before the A.L.C. Asansol but to no effect. The matter was sent to the Ministry of Labour and ultimately it has been referred to this Tribunal for adjudication.

3. The case of the management in brief is that the concerned workman was an underground loader of Kunustoria Colliery and he met with an accident on 27-12-83 while he was on duty. He remained unfit from 27-12-83 to 1-4-84 and he was paid all disability benefits as per N.C.W.A. That the workman has been declared fit for light duty by the Central Hospital, Kalla and also by the Apex Medical Board of Sanctoria Hospital. Accordingly he has been given light duty.

It is submitted that during the accident the workman was a piece-rated worker and according to the medical report he has been given alternative employment as a time-rated worker. For sometime he was given the pay of piece-rated worker even after giving him the alternative job as a time-rated worker. But ultimately under the order of the superior authority the same has been stopped and he is being now paid the actual wages of the present post. Under the existing rules he is not entitled to get any pay protection. The management has also denied the other material averments of the written statement filed by the union.

4. It is a case for pay protection. At the very outset the learned Lawyer for the management has urged before me that this Court has no jurisdiction to adjudicate the present dispute as it does not come under the Third Schedule of the Industrial Disputes Act. There is nothing under the Industrial Disputes Act to give any relief to any workman by way of pay protection. The provisions of Workman's Compensation Act for disablement of a workman cannot be applied by this Court. With due respect to his contention I find that according to the Third Schedule of the Industrial Disputes Act the question of wages including the period and mode of payment can be adjudicated by the Industrial Tribunal. Considering that aspect I find that the question raised in the present case comes under the Third Schedule of the Industrial Disputes Act and as such I find that this Court has jurisdiction to adequate the issue raised in this case.

5. Admittedly Sri Harilal Kahar was an underground loader of Kunustoria Colliery. It is admitted that he met with an accident on 27-12-83 while he was on duty and he was unable to do his duty from 27-12-83 to 1-4-84. It is also admitted that he has been given all the disablement benefits for that period. It is the case of both the parties that after medical examination the concerned worman has been declared fit by the Medical Board of Central Hospital, Kalla and Apex Medical Board of Sanctoria Hospital, but they have advised to give him light duty. It is admitted that during accident the concerned workman was a piece-rated worker working as underground loader. But under medical advice he has been given an alternative job of a time-rated worker. The wage of the present post is lesser than the previous post. It is admitted that for sometime he was given the wages of the previous post but subsequently it has been stopped by the management on the plea that the superior authority has not approved the same.

From the N.C.W.A. I find that there is no clear provision on this point. The learned Lawyer for the union has taken me through Point No. 9.2.3. of N.C.W.A.-IV which reads as follows :

"If the employee is disabled due to accident, arising out of and during the course of employment, he/she will get full basic wages and dearness allowance from the date of accident till the employee is de-

clared fit by the Company's Medical Officer. The disabled employee will have to remain in the Colliery/establishment or under treatment in a referal hospital to be entitled to the benefit."

I find that the said provision does not help the workman. The learned Lawyer for the management has urged before me that the management was not at fault for the accident. So the Court must not saddle the management for paying the higher wages to the concerned workman. He has urged before me that with the approval of the higher authority the payment of wages at the old rate has been stopped. On this context the learned Lawyer for the union has taken me through paragraph 2(f) of the written statement filed by the management which reads as follows :

> "That as the N.C.W.A.-II or N.C.W.A.-III do not contain any provision as to the basis on which the wages are to be payable in such cases of conversion as a result of disablement on recommendation from the Hospital Authorities as well as Apex Medical Board, the question was referred to the Competent Authority at H.Qs. of the Employers and a direction was received from the H.Qs. that in such cases the concerned workman should be paid his Group Wages i.e. that wages for piece rated group on an average basis in which concerned workman was working."

By pointing out the same the learned Lawyer for the union has urged before me that it is not true that the higher authority has disapproved the payment at the old rate. On the other hand it appears from the said paragraph of the written statement that the higher authority has approved the payment at the old rate. It may be noted here that the management has not filed the letter in question though the same has been mentioned as Annexure 'E' of the written statement. The learned Lawyer for the management has urged before me that the statement of the said paragraph 3(f) is a wrong statement.

6. Be that as it may, we find that the N.C.W.A. is silent regarding the point before us. Considering all the facts and circumstances I find that the principles of natural justice should be applied in a case like the present one. The concerned workman is a poor worker. He met with an accident while on duty. So I find that his pay must be protected as a principle of natural justice. But at the same time the interest of the management is also to be looked into. So I find that the pay of the workman must be protected. But the difference of pay of the workman should be treated as his 'personal pay' and shall be adjusted against his future increase of pay.

7. In the result, I find that the management of Kunustoria Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd., was not justified in denying pay protection to Sri Harilal Kahar, Underground Loader w.e.f. May, 1986. Sri Harilal Kahar must be paid his old last drawn pay as an underground loader in the piece-rated group in his new alternative job as a time-rated worker. But the difference of the amount between the two posts shall be treated as 'personal pay' of Shri Harilal Kahar and the same shall be adjusted against his future increase of pay from the date when he joined as a time-rated worker.

This is my award.

N. K. SAHA, Presiding Officer
[No. L-22012/15/89-IR (C-II)]
RAJALAL, Desk Officer

नई दिल्ली 11 फरवरी 1991

का. आ. 631.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार दिल्ली दुग्ध योजना दिल्ली के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-2-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 11th February, 1991

S.O. 631.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Delhi Milk Scheme, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 7-2-91

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 108/90

In the matter of dispute between:

The General Manager,
Delhi Milk Scheme,
West Patel Nagar,
New Delhi.

VERSUS

General Secretary,
Delhi Milk Scheme Employees Union,
Through Delhi Milk Scheme,
West Patel Nagar, New Delhi-8.

APPEARANCES :

Sh. Gosain Dutt, Secretary of the Union.

Shri B. B. Mathur for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42011/67/89-I.R. (D.U.) dated 19-9-90 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

> क्या महाप्रबन्धक, दिल्ली दुग्ध योजना, दिल्ली द्वारा द्वितीय श्रेणी भारी वाहन चालकों एवं मेटों को जब-जब वे प्रथम श्रेणी भारी वाहन चालक का कार्य करते हैं प्रथम श्रेणी भारी वाहन चालक का वेतन एवं भत्ते न दिया जाना उचित एवं वैध है ? श्रमिक किस राहत को पाने के अधिकारी है"

2 An application was filed by the General Secretary of the Employees Union that the party has filed separate case in the court of law and therefore, did not want to proceed with this case, in this Labour Court. In view of this statement No Dispute award is given in this case treating the case as withdrawn.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

January 8, 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer
[No. L-42011/67/89-IR(DU)(Pt.)]

का. आ. 632.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दिल्ली दुग्ध योजना, दिल्ली के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-2-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 632.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Delhi Milk Scheme, Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on 7-2-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 107/90

In the matter of dispute between:
The General Manger,
Delhi Milk Scheme,
West Patel Nagar,
New Delhi.

VERSUS

General Secretary,

Delhi Milk Scheme Employees Union,
Through Delhi Milk Scheme,

West Patel Nagar, New Delhi-8.

APPEARANCES :

Gosain Dutt, Secretary of the Union.

Sh. B. B. Mathur, for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-42011/63/89-IR(D.U) dated 19-9-90 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"क्या महासचिव, दिल्ली मिल्क स्कीम एम्पलाईज यूनियन, नई दिल्ली की यह मांग कि दिल्ली दुग्ध योजना, नई दिल्ली में रात्रि में कार्य करने वाले श्रमिकों को दिये जा रहे रात्रि कार्य भत्ते की दरों में (जो कि भारत सरकार, कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय के आदेश संख्या 3-41/76 एल.डी आई., दिनांक 19-7-76 द्वारा, निश्चित की गई थी) वृद्धि की जाने उचित एवं वैध है ? यदि हां, तो श्रमिक किस राहत को पाने के अधिकारी है",

2. An application was filed by the General Secretary of the Employees Union that the party has filed separate case in the court of law and therefore did not want to proceed with this case, in this Labour Court. In view of the Statement No Dispute award is given in this case treating the case as withdrawn.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

January 2, 1991.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.

[No. L-42011/63/89-IR(D.U.)(Pt.)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi 110054, 1991